

अच्छे लोग दूसरों के लिए जीते हैं, जबकि दुष्ट लोग दूसरों पर जीते हैं।
Good People live for others while the bad people live on others.
आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 96 ● वर्ष : 11 ● रायपुर, सोमवार 02 अक्टूबर 2023 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस : बुजुर्ग समाज के प्रकाश-स्तंभ हैं, उनके अनुभवों के प्रकाश में नयी पीढ़ियां आगे बढ़ती हैं : भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री ने बुजुर्गों का शॉल और श्रीफल देकर किया सम्मान

बुजुर्गों को 825 सहायक उपकरणों का किया गया वितरण

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों का शॉल और श्रीफल देकर सम्मान किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल संवेदनशीलता के साथ मंच से उतरकर स्वयं बुजुर्गों के पास पहुंचे और उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों को इलेक्ट्रॉनिक व्हीलचेयर, चश्मा और हियरिंग एड सहित 825 सहायक उपकरण भी प्रदान किए। इस अवसर पर सभी जिलों के लगभग साढ़े छः हजार से अधिक वरिष्ठजन उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की बधाई देते हुए मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि मानव जीवन की तीन प्रमुख अवस्थाएं हैं- बाल्यावस्था, युवावस्था और वृद्धावस्था। मनुष्य की वृद्धावस्था उसके जीवनभर के



ज्ञान और अनुभवों का निचोड़ है, उसकी जीवनभर की तपस्या का संघ है। इसीलिए हमारे बुजुर्ग हमारे समाज के प्रकाश-स्तंभ हैं। उनके अनुभवों के प्रकाश में ही नयी पीढ़ियां आगे बढ़ती हैं। शास्त्रों में कहा गया है कि बुजुर्गों की सेवा करने से आयु, विद्या, यश और बल बढ़ता है।

श्री बघेल ने कहा है कि नये दौर के समाज में हमारे पुरातन जीवन-मूल्य बहुत पीछे छूटते जा रहे हैं। बुजुर्गों ने जीवनभर जिन लोगों के लिए मेहनत की, त्याग किया वे उन्हीं के द्वारा उपेक्षित कर दिए जाते हैं। राज्य सरकार द्वारा बुजुर्गों के लिए सियान हेल्थ लाइन नम्बर शुरू किया गया है। इस हेल्पलाइन का उपयोग दिव्यांग, विधवा और उभयलिङ्गी व्यक्ति भी कर सकते हैं। सियान

हेल्पलाइन सेंटर और टोल फ्री नंबर के सेटअप की स्थापना के लिए बजट में एक करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। हेल्पलाइन नंबर पर अभी तक 76 हजार से ज्यादा कॉल आ चुके हैं, इनमें से 1493 कॉल बुजुर्गों ने किए हैं। हमें खुशी है कि इस हेल्पलाइन सेंटर के माध्यम से हम बुजुर्गों की मदद कर पा रहे हैं। श्री बघेल ने कहा कि राज्य सरकार ने निराश्रितों, बुजुर्गों, दिव्यांगों, विधवा तथा परित्यक्ता महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत दी जाने वाली मासिक पेंशन की राशि को 350 रूपए से बढ़ाकर 500 रूपए प्रतिमाह कर दिया है। प्रदेश के 13 लाख से ज्यादा बुजुर्गजन मासिक पेंशन योजना का लाभ उठा रहे हैं। इसके अलावा राज्य सरकार

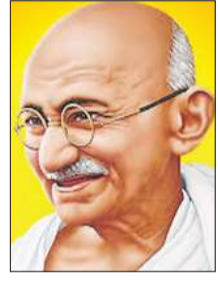
बुजुर्गों को 49 हजार आवश्यक सहायक उपकरणों का वितरण भी कर चुकी है। राज्य शासन के कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना शुरू की गई है। इससे उनके बुढ़ापे में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि बुजुर्गों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए राज्य सरकार द्वारा

सियान जतन क्लीनिक का संचालन किया जा रहा है। प्रदेश के आयुर्वेदिक अस्पतालों में भी बुजुर्गों के लिए विशेष ओपीडी और पंचकर्म सेवाएं दी जा रही हैं। राज्य में श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स में 72 प्रतिशत तक कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस योजना का लाभ भी हमारे वरिष्ठ नागरिकों को मिल रहा है। श्री बघेल ने सभी से अपने परिवार या आसपास बुजुर्गों की समस्याओं को समझने का प्रयास करने की अपील करते हुए कहा कि बुजुर्गों की सेवा के फल से बढ़कर कोई पूजा-आराधना नहीं है। उनका आशीर्वाद ही सबसे बड़ा पुण्यफल है। बुजुर्गों को हमसे उन्हीं ही प्रेम की उम्मीद होती है, जितना प्रेम उन्हीं हमें दिया है।

छत्तीसगढ़ में समरसता और सांप्रदायिक सद्भाव की जो अलख बापू ने जगाई वह आज भी प्रेरित कर रही है : भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें किया नमन

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने 02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर उन्हें नमन किया है। महात्मा गांधी के देश के लिए अमूल्य योगदान को याद करते हुए उन्होंने कहा है कि महात्मा गांधी ने भारत में स्वाधीनता आंदोलन को नई दिशा दी। उन्होंने सत्य, प्रेम और अहिंसा का मार्ग अपनाकर पूरे विश्व के सामने मिसाल कायम की। उन्होंने देश में जिस ग्राम स्वराज की कल्पना की थी, छत्तीसगढ़ सरकार उसे पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ में सुराजी गांव योजना शुरू कर नरवा, गरुवा, चुरवा, बाड़ी को नये रूप में विकसित किया



जा रहा है। इस योजना के तहत बने गौजन अब आजीविका केन्द्र के रूप में विकसित हो रहे हैं। गोधन न्याय योजना के माध्यम से पशुपालकों और ग्रामीणों से गोबर और गोमूत्र खरीदा जा रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नया आधार मिला है।

श्री बघेल ने कहा कि गांधी जी ने सबकी अच्छी सेहत के लिए कई प्रयोग किए इसलिए हमने सार्वभौम स्वास्थ्य सेवा को प्राथमिकता दी है। छत्तीसगढ़ में 2019 में गांधी जयंती के दिन से ही कुपोषण के खिलाफ निर्णायक जंग का ऐलान करते हुए मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान की शुरुआत की गई थी। इसके फलस्वरूप प्रदेश के 02 लाख 65 हजार बच्चे कुपोषण मुक्त हो चुके हैं। लगभग डेढ़ लाख महिलाएं एनीमिया से बाहर आ गई हैं। यह एक बड़ी उपलब्धि है।

एनटीपीसी नया रायपुर के कर्मचारियों ने स्वच्छता के लिए श्रमदान कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया

रायपुर (विश्व परिवार)। एनटीपीसी नया रायपुर से बड़ी संख्या में कर्मचारी

1 अक्टूबर, 2023 को सुबह 10 बजे स्वच्छ भारत के हिस्से के रूप में एक स्वच्छता पहल, श्रमदान में शामिल हुए। एनटीपीसी नया रायपुर कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व श्री सी शिवकुमार, आरईडी (डब्ल्यूआर-1), यूएसएससी और एसएच एनआई) ने किया। ईडी-ओएस श्री अरिंदम सिन्हा, अर्पिता महिला समिति के पदाधिकारी, सीजीएम, जीएम, कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्यों के साथ-साथ सहयोगी भी स्वच्छ भविष्य की शुरुआत के लिए स्वच्छता अभियान में शामिल हुए। श्रमदान से स्वच्छता के हिस्से के रूप में, एनटीपीसी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों



ने एनटीपीसी नया रायपुर कार्यालय के आसपास के क्षेत्रों की सफाई की। इस पहल के पीछे का उद्देश्य श्रमदान और जनभागीदारी के माध्यम से दृश्यमान, उच्च स्तरीय स्वच्छता को उजागर करके कचरा मुक्त भारत प्राप्त करना है।

इस वर्ष 2 अक्टूबर को राष्ट्र हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का 154वां जन्मदिन मनाएगा, जिनके प्रेरक विचार कई लोगों को प्रभावित करते हैं। यह दिन 2014 में प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए स्वच्छ भारत मिशन की नौवीं वर्षगांठ का भी प्रतीक है।

एनटीपीसी कोरबा ने स्वच्छता पखवाड़ा 2023- स्वच्छता ही सेवा के तहत एनटीपीसी कोरबा टाउनशिप पर चलाया स्वच्छता अभियान

कोरबा (विश्व परिवार)। एनटीपीसी कोरबा द्वारा भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार स्वच्छ भारत मिशन के तहत

दिनांक 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2023 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर स्वच्छता पखवाड़ा- स्वच्छता ही सेवा का शुभारंभ करते हुए 01 अक्टूबर 2023 को श्री बी रामचंद्र राव, परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी कोरबा ने स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर शपथ लिया।

यह कार्यक्रम एनटीपीसी कोरबा टाउनशिप के सब्जी मंडी में आयोजित किया गया। इसी क्रम में 01 अक्टूबर 2023 को एनटीपीसी कोरबा द्वारा सब्जी मंडी में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया तथा सब्जी मंडी के अंदर और बाहर साफ सफाई भी की गई। एनटीपीसी कोरबा ने एक जुट होकर एक घंटे



के लिए श्रमदान किया। एनटीपीसी कोरबा सब्जी मंडी पर इस स्वच्छता अभियान का नेतृत्व श्री बी.आर. राव, परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी कोरबा, ने किया। इस अवसर पर श्री मधु एस., महाप्रबंधक (ओ एंड एम), श्री सोमनाथ भट्टाचार्य, महाप्रबंधक (प्रचलन), श्री मनीष वी. साठे, महाप्रबंधक (ऐश ड्राइक), श्री

प्रभात राम, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) और अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारीगण, यूनियन और एसोसिएशन के सदस्य, एवं एनटीपीसी कोरबा टीम और एनटीपीसी कोरबा की सीआईएसएफ टीम मौजूद रहे। इस मौके पर 100 से ज्यादा लोग मौजूद थे।

ज्ञात हो कि स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान एनटीपीसी कोरबा में विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। स्वच्छ भारत अभियान एक ऐसा भारत सरकार द्वारा स्वच्छ भारत मिशन है जो भारत को स्वच्छ बनाने के लिए सहयोग कर रहा है। यह अभियान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया था और महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के दृष्टिकोण का सम्मान करने के लिए 2 अक्टूबर 2014 को शुरू किया गया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने महात्मा गांधी जयंती पर एक घंटे सामूहिक स्वच्छता श्रमदान का किया आग्रह

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री के द्वारा आज 1 अक्टूबर को सुबह 10 बजे सभी

नागरिकों द्वारा सामूहिक रूप से स्वच्छता के लिए 1 घंटे के श्रमदान के आह्वान पर एवम् राष्ट्रपिता बापू को उनकी जयंती की पूर्व संध्या पर स्वच्छताजलि देने हेतु राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (क्षेत्र संकार्य प्रभाग), क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के द्वारा रायपुर विकास प्राधिकरण परिसर न्यू राजेंद्र नगर स्थित कार्यालय परिसर एवम् काली माता मन्दिर के पास उपमहानिदेशक श्री रोशन लाल साहू के मार्ग दर्शन में समस्त अधिकारी एवम् कर्मचारियों द्वारा श्रम दान किया गया।

नगरनार संयंत्र बेचने के विरोध में 3 अक्टूबर को बस्तर बंद: दीपक बैज

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारवार्ता में कहा कि भाजपा की मोदी सरकार बस्तर के नगरनार में एनएमडीसी द्वारा लगाये गये इस्पात संयंत्र को बंद करेगी है। नगरनार इस्पात संयंत्र बस्तर के लोगों की भावनाओं और उनके आर्थिक हितों से जुड़ा हुआ है। कांग्रेस पार्टी इसका विरोध करती है। बस्तर के लोगों की भावनाओं की अभिव्यक्ति के लिये कांग्रेस जन आंदोलन छेड़ेगी। हम 3 अक्टूबर को बस्तर बंद का पूरा समर्थन करते हैं।

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारवार्ता में कहा कि भाजपा की मोदी सरकार बस्तर के नगरनार में एनएमडीसी द्वारा लगाये गये इस्पात संयंत्र को बंद करेगी है। नगरनार इस्पात संयंत्र बस्तर के लोगों की भावनाओं और उनके आर्थिक हितों से जुड़ा हुआ है। कांग्रेस पार्टी इसका विरोध करती है। बस्तर के लोगों की भावनाओं की अभिव्यक्ति के लिये कांग्रेस जन आंदोलन छेड़ेगी। हम 3 अक्टूबर को बस्तर बंद का पूरा समर्थन करते हैं।

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारवार्ता में कहा कि भाजपा की मोदी सरकार बस्तर के नगरनार में एनएमडीसी द्वारा लगाये गये इस्पात संयंत्र को बंद करेगी है। नगरनार इस्पात संयंत्र बस्तर के लोगों की भावनाओं और उनके आर्थिक हितों से जुड़ा हुआ है। कांग्रेस पार्टी इसका विरोध करती है। बस्तर के लोगों की भावनाओं की अभिव्यक्ति के लिये कांग्रेस जन आंदोलन छेड़ेगी। हम 3 अक्टूबर को बस्तर बंद का पूरा समर्थन करते हैं।

कुष्ठ के लिये कार्य करना मात्र चिकित्सकीय मदद ही नहीं, वरन् इंसान की घोर निराशा और क्षोभ को खुशी और आनंद में बदलना है। यह व्यक्तिगत आकांक्षाओं, अभिलाषाओं को जागृत कराने के लिये निःस्वार्थ सेवा है।
- महात्मा गांधी

बापू की 154 वीं जयन्ती पर कुष्ठ जागरूकता दिवस 02 अक्टूबर 2023

डरें नहीं बीमारी से, कुष्ठ मिटेगा जनभागीदारी से

कुष्ठ के लक्षण- चमड़ी पर तेलिया-तामिया चमक हों • चमड़ी पर खासकर चेहरे पर, भौंहों के ऊपर, ठोड़ी पर या कानों में गठानें, सूजन या मोटापन हो • चमड़ी पर दाग, चकत्ते जिसमें सुन्नपन हो • तंत्रिकाओं में मोटापन-सूजन हो, दबाने से दर्द होता हो, हाथ पैरों में झुनझुनी-सुन्नपन हो।

कुष्ठ की जाँच व उपचार- कुष्ठ की जाँच व उपचार समस्त जिला चिकित्सालयों, सिविल अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में निःशुल्क उपलब्ध है।

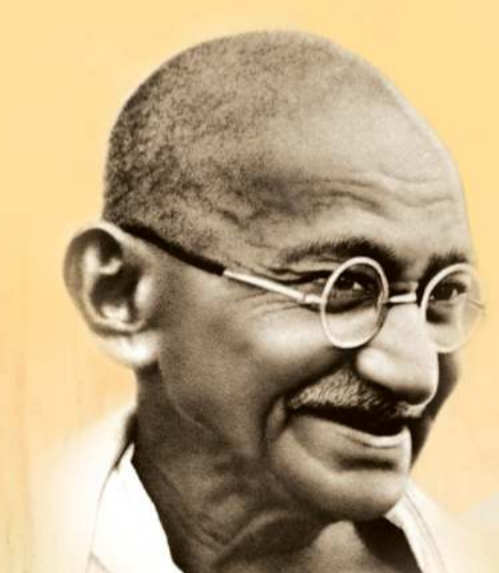
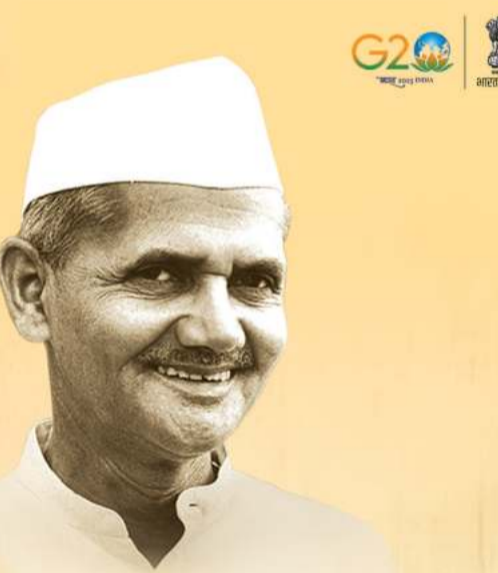
कुष्ठ की दवा- एम.डी.टी. की दवा कुष्ठ रोग का पूर्ण इलाज है। एम.डी.टी. की दवा सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों एवं अस्पतालों में निःशुल्क उपलब्ध है।

• कुष्ठ रोग अन्य रोगों के समान रोगाणुओं से होता है एवं साध्य है।
• यह अमीर-गरीब, महिला-पुरुष, छोटे-बड़े किसी को भी हो सकता है।
• कुष्ठ रोगी के साथ खान-पान, साथ रहने अथवा साथ कार्य करने से कुष्ठ नहीं फैलता है।

आइये कुष्ठ रोग की जानकारी समुदाय के हर व्यक्ति को दें ताकि हम छत्तीसगढ़ को कुष्ठ मुक्त बना सकें।

कुष्ठ से संबंधित जानकारी एवं सेवाओं के लिए नजदीकी शासकीय स्वास्थ्य संस्था से संपर्क करें।

किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर 104 से संपर्क करें
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा जनहित में प्रसारित





2 अक्टूबर

गांधी जी और शास्त्री जी

की जन्म जयंती पर कृतज्ञ राष्ट्र का कोटि-कोटि नमन

महात्मा गांधी जी के विचारों ने पूरी दुनिया को प्रेरित किया। लोगों से जुड़ जाना और उन्हें जोड़ लेना बापू की विशेषता थी। इसी प्रकार, लाल बहादुर शास्त्री जी को हमारे इतिहास के एक बेहद ही महत्वपूर्ण समय में उनके दृढ़ नेतृत्व के लिए हमेशा याद किया जाएगा।
- नरेन्द्र मोदी



कोरबा जिला की आशा आजाद तीन राष्ट्रीय अवार्ड से हुई सम्मानित

कोरबा। गत दिवस फरीदाबाद, एनसीआर दिल्ली में मैजिक बुक आफ आर्ट यूनिवर्सिटी, भारत सरकार द्वारा पंजीकृत संस्था से श्रीमती आशा आजाद सहायक प्राध्यापक भूगर्भ शास्त्र, शाईविला महा.कोरबा, मानिकपुर कोरबा निवासी को राष्ट्रीय मानद उपाधि, बेस्ट ऑथर अवार्ड एवं राष्ट्रीय एपीजे अब्दुल कलाम अवार्ड प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान से प्रारंभ किया गया। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ राज्य की बेटीयों आशा आजाद एवं सुकमोती चौहान जी को इस मंच से मानद उपाधि अवार्ड उनके अन्ते ग्रंथ छत्तीसगढ़ सम्पूर्ण दर्शन जिसके लिए उन्हें पूर्व में ही गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड से दो अचीवमेंट प्राप्त हो चुका है, जिसके उल्लेखनीय कार्य के लिए उन्हें डाक्ट्रेट मानद उपाधि, मैजिक एंड आर्ट यूनिवर्सिटी से प्रदान किया गया है और साथ ही छत्तीसगढ़ की इन दोनों बेटीयों ने



मैजिक एण्ड आर्ट यूनिवर्सिटी से डाक्ट्रेट की मानद उपाधि के साथ साथ बेस्ट ऑथर अवार्ड पाने वाली छत्तीसगढ़ की पहिली महिला के रूप में अपना नाम दर्ज कर लिया

है। इस सम्मान समारोह में डॉ छबिराम पटेल, प्रधानपाठक, पिथौरा छत्तीसगढ़ को भी डाक्ट्रेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह की

मुख्य अतिथि डॉ प्रतिभा शर्मा एडवोकेट डीईटी, जो लोक अदालत मथुरा की स्थायी सदस्य हैं एवं महिला बालविकास में 100 से अधिक अचीवर्स पुरस्कृत हैं,

मसीहा सम्मान, महिला शक्ति सम्मान जैसे अनेकों अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित हुई हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन इनके करकमलों से किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री विजय कपूर डायरेक्टर ब्रिज मेडिकल कन्सल्टिंग प्रालिएफर्मर डायरेक्टर आसी,आई लेक्चरर एसारसीसीडीयू श्री विभू बत्रा सीए गुडगांव, सोमल वर्कर श्रीमती चंद्रकांता भदौरिया एडवोकेट श्रीमती उषा रानी गाँधी चीफ वार्डन, वूमन हास्टल रेड क्रॉस फरीदाबाद श्री नवीन गौतम प्रोड्यूसर, इंटरनेशनल डाक्यूमेंट्री, श्री हरीश शर्मा इंजीनियर, प्रोड्यूसर, इंटरनेशनल डाक्यूमेंट्री की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित हुआ। डॉ प्रतिभा शर्मा ने अपने उद्घोष में अपने ब्रज भाषा से शुरुआत करते हुए कहा कि जब हम अपनी संस्कृति को लेकर साथ चलते हैं तो ये हमारी असली पहचान होती है, उन्होंने कहा कि सभी अविर्द्धियों

ने देशहित ध्येय से कार्य करते हुए देश का नाम रौशन किया है एवं और डॉ आशा आजाद डॉ सुकमोती चौहान जी ने अपने राज्य की पारंपरिक वेषभूषा में यह डाक्ट्रेट की उपाधि लेकर अपनी संस्कृति का पूर्ण सम्मान किया है। हमें अपनी संस्कृति को सहेज कर रखना अनिवार्य है। ये दोनों महिलाएँ ने साहित्य जगत में अपना अमूल्य योगदान दिया है। अपने राज्य को इन्होंने प्रथम क्रम में रखते हुए अपने राज्य की ही नहीं पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। इस गरिमामयी कार्यक्रम में विभिन्न प्रदेशों के 30 लोगों को जिन्होंने अपने विशेष कार्यों के लिए डाक्ट्रेट की मानद उपाधि दिया गया, साथ ही इस अवसर पर मैजिक एण्ड आर्ट यूनिवर्सिटी के सीईओ डॉ सी पी यादव जी ने छत्तीसगढ़ सम्पूर्ण दर्शन ग्रंथ की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए बधाई दी। कार्यक्रम का समपन वंदेमातरम गीत से किया गया।

संक्षिप्त समाचार

अब इतवारी से कोरबा तक चलेगी शिवनाथ एक्सप्रेस

कोरबा(विश्व परिवार)। लंबे अरसे से अधूरी चल रही गेवरा रोड. कोरबा. इतवारी पैसेंजर कम एक्सप्रेस अब वापस कोरबा आएगी। रेल प्रबंधन ने इतवारी. बिलासपुर एक्सप्रेस का परिचालन कोरबा तक विस्तार कर दिया। शुक्रवार को पहली बार ट्रेन इतवारी से कोरबा पहुंचेगी। इससे बिलासपुर से सुबह एक ट्रेन की सुविधा यात्रियों को मिलने लगेगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन द्वारा कोरबा वासियों की मांग पर बिलासपुर. इतवारी एक्सप्रेस का विस्तार कोरबा. गेवरा रोड तक कर दिया गया था, पर वापसी में यह ट्रेन बिलासपुर में आकर रूक जाती थी। इससे इतवारी से आने वाले यात्रियों को बिलासपुर में दूसरी ट्रेन में सफर करना पड़ता था। इससे काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। लंबे अरसे से क्षेत्रवासी इस ट्रेन को पूर्ण से कोरबा से चलाने की मांग कर रहे थे। आखिरकार रेल प्रबंधन ने 16 साल बाद इसे मंजूरी दे दी। इसके साथ शुक्रवार को सुबह बिलासपुर तक आने वाली शिवनाथ एक्सप्रेस अब कोरबा तक आएगी। इससे इतवारी से सीधे कोरबा तक यात्रियों को सुविधा मिल जाएगी। साथ ही बिलासपुर में अमरकंटक व सारनाथ एक्सप्रेस से आने वाले यात्रियों को अब 7.35 बजे तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। शिवनाथ में सवार होकर यात्री कोरबा पहुंचने में सुविधा मिलेगी। उधर शिवनाथ एक्सप्रेस के कोरबा तक आने से यात्रियों को जहां बड़ी राहत मिलने वाली है, वहीं दोपहर 2.50 बजे स्पेशल पैसेंजर बनकर कोरबा आने वाली गाड़ी को लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। शिवनाथ एक्सप्रेस बिलासपुर में समाप्त होने के बाद दोपहर में स्पेशल पैसेंजर बनकर कोरबा आ रही थी। इससे दोपहर में यात्रियों को ट्रेन में सफर करने मिल रहा था। शिवनाथ एक्सप्रेस इतवारी से रात 11.55 बजे छूट कर बिलासपुर सुबह 7.05 बजे पहुंचती है। इसे कोरबा तक विस्तार करने पर यह ट्रेन बिलासपुर में 10 मिनट रूकने के बाद 7.15 बजे कोरबा के लिए रवाना होगा। जो 7.40 बजे अकलतरा पहुंच 7.42 बजे छूट कर नैला 7.55 बजे पहुंचेगी। यहां से 7.57 बजे छूटकर चांपा 8.10 बजे पहुंच कर 8.12 बजे रवाना होगी। ट्रेन सुबह 8.55 बजे कोरबा पहुंचेगी।

एसटी, एससी और ओबीसी वर्ग के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति पंजीयन प्रारंभ

कोरबा(विश्व परिवार)। कक्षा 9वीं से 12 तक सत्र 2023-24 के लिए एसटी, एससी और ओबीसी वर्ग के विद्यार्थियों की पात्रता अनुसार राज्य-केन्द्रीय छात्रवृत्ति के लिए राज्य छात्रवृत्ति पोर्टल में 27 सितम्बर 2023 से उपलब्ध कराया जा गया है। विद्यार्थियों की ऑनलाइन पंजीयन करने के लिए नए प्रवधान अनुसार कक्षा 9वीं से 12वीं तक पात्रताधारी सभी विद्यार्थियों को स्वयं पोर्टल पर पंजीयन किया जाना है। जिसका शाला स्तर सत्यापन के लिए 20 अक्टूबर 2023 तक अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। निर्धारित समयवधि में ऑनलाइन छात्रवृत्ति का कार्य संपादित करना सुनिश्चित करें। जिला शिक्षा अधिकारी कोरबा से प्राप्त जानकारी के अनुसार उपरोक्त राज्य या केन्द्रीय छात्रवृत्ति हेतु विद्यार्थियों के स्वयं के बैंक खाता का आधार से लिंक होना अनिवार्य है। विद्यार्थियों के द्वारा पोर्टल पर स्वयं पंजीयन किया जाएगा, जिसमें ऑनलाइन बना हुआ आवश्यक प्रमाण पत्र सीधे विद्यार्थी के स्तर से ही अपलोड किया जा सकेगा। साथ ही ऑनलाइन बना हुआ प्रमाण पत्र नहीं होने की स्थिति में विद्यार्थी द्वारा आवश्यक प्रमाणपत्र शाला में जमा किए जाएंगे। जिसको शाला के प्रभारी या छात्रवृत्ति नोडल द्वारा शाला के लॉगिन से संबंधित विद्यार्थी के आवश्यक प्रमाण पत्र पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। साथ ही प्रवधान अनुसार विद्यार्थी की जानकारी का सत्यापन करेंगे। इसी प्रकार सभी पंजीयन का द्वितीय सत्यापन जिला स्तर पर जिले के लॉगिन से किया जाएगा। दिव्यांग विद्यार्थियों को केन्द्रीय छात्रवृत्ति के तहत भारत सरकार के निर्देशानुसार अतिरिक्त राशि देय है। इस हेतु भारत सरकार के पोर्टल से ऑनलाइन बने दिव्यांगता प्रमाण पत्र की आवश्यकता होगी। यूडीआईडी का लिंक भारत सरकार से लिया जाना प्रक्रियाधीन है। विद्यार्थियों को पात्रतानुसार पंजीयन जिला स्तर से सत्यापन की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर 2023 निर्धारित की गई है।

एकाएक चक्काजाम से वाहनों की लगी कतार

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा. दर्री मार्ग में एकाएक चक्काजाम किए जाने से वाहनों के कतार लग गई। दर्री से कोरबा आने व जाने वालों को लोग रास्ते में फंस गए। बस्तीवासियों ने बड़े वाहन के साथ ही छोटे वाहनों की भी आवाजाही रोक दी। कल शाम होने की वजह से मार्ग में काफी भीड़ थी। इससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई लोग मार्ग बदल कर तुलसीनगर, राताखार होते हुए दर्री के लिए रवाना हुए। आंदोलन खत्म होने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

प्रतिमा विसर्जन के दौरान चाकू मारकर युवक की हत्या

कोरबा। अनंत चतुर्दशी के दौरान गणेश विसर्जन करने जा रहे युवकों के दो गुट में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर एक गुट ने चाकू से हमला कर दिया। घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नाराज बस्तीवासियों ने कोरबा-दर्री मार्ग में चक्काजाम कर दिया। आरोपितों को गिरफ्तार करने के आश्वासन के बाद देर रात आंदोलन समाप्त हुआ। शहर में दोपहर से गणेश विसर्जन का दौर शुरू हो गया था। समितियों द्वारा डीजे, बाजा गाजा के साथ निकले और नहर व नदी में भगवान गणेश का विसर्जन करते रहे।

इसी दौरान ढोंढीपारा में विराजित भगवान गणेश को लेकर समिति के पदाधिकारी व बस्तीवासी भी विसर्जन करने जा रहा था। सीएसईबी पुलिस चौकी अंतर्गत स्कूलपारा कोहड़िया के पास अन्य स्थान से तीन समितियां भी विसर्जन करने जा रही हैं। इसी दौरान युवकों के दो गुट में किसी बात को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। जो बढ़ गया और दोनों पक्ष के मध्य जमकर मारपीट हुई। इसी बीच एक युवक पर कुछ लोगों ने चाकू से हमला कर दिया। घटना में युवक को गंभीर रूप से चोट लगी, उसे बचाने आए एक अन्य युवक भी घायल हो गया। इसके साथ ही स्थल पर भगदड़ मच गई। आनन फनन में उपस्थित लोगों ने दोनों को

उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गए, जहां एक युवक की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त हरीश कुमार के रूप में हुई, वहीं घायल का नाम भूपेंद्र बताया जा रहा है, जिसका उपचार अस्पताल में चल रहा है। दोनों बरपारा कोहड़िया के निवासी हैं। हमला करने के बाद सभी युवक भाग गए। घटना की जानकारी जैसे ही बरपारा कोहड़िया में पहुंची, वैसे ही लोगों में आक्रोश व्याप्त हो गया और काफी संख्या में बस्तीवासी ढोंढीपारा के पास पहुंच गए और कोरबा. दर्री मार्ग में चक्काजाम कर दिए। घटना की जानकारी मिलते ही सीएसईबी पुलिस स्थल पर पहुंची और समझाइश देना शुरू की। पुलिस ने आक्षेप किया कि मामले में दोषी सभी

आरोपितों को जल्द पकड़ लिया जाएगा। इसके बाद बस्तीवासियों ने देर रात चक्काजाम समाप्त किया, पर क्षेत्र में तनाव का माहौल व्याप्त है। मामले में पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक तौर पर चाकू से हमला करने भैसखटाल ढोंढीपारा निवासी सुमित चौहान बताया जा रहा है, उसके साथ आधा दर्जन युवक भी थे। उनके संबंध में जानकारी एकत्र की जा रही है। पर्याप्त सबूत के साथ ही सभी आरोपितों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बताया जा रहा है कि मृतक के शरीर पर चाकू से आठ बार हमला किया गया है। वैधानिक कार्रवाई के बाद पुलिस ने रात होने की वजह से शव मच्छरी में रखा दिया है।

कलेक्टर ने तैयारियों को लेकर अधिकारियों की ली बैठक

रायगढ़। रायगढ़ के कोडरगढ़ में आगामी 04 अक्टूबर को 'भरोसे का सम्मेलन' कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष राज्यसभा व सांसद श्री मल्लिकार्जुन खड्गे व मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल शामिल होंगे तथा आमसभा को संबोधित करेंगे। इसके साथ ही अन्य अतिथि भी उक्त कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। सम्मेलन में हितग्राहियों को विभिन्न

योजनाओं के अंतर्गत सामग्री व प्रोत्साहन राशि का वितरण किया जाएगा। विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी भी लगायी जाएगी। कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा आनी शेष है। कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा ने कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने मंच तथा बैठक व्यवस्था, हेल्थपैड, प्लांक, ट्रैफिक व रूट पानिंग, लॉ एण्ड आर्डर को लेकर विस्तार से चर्चा की तथा इस संबंध में

महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र यादव, डीएफओ धरमजयगढ़ श्री अधिषेक जोगावत, अपर कलेक्टर श्री राजीव पाण्डेय, आयुक्त नगर निगम श्री सुनील चंद्रवंशी, सहायक कलेक्टर श्री युवराज मरमत, जिला परिवहन अधिकारी श्री दुष्यंत रायस्त सहित सभी एसडीएम, सीईओ जनपद व अन्य विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

रायगढ़ इंटरसिटी समेत अन्य एक्सप्रेस ट्रेने चलाने की मांग: भाकपा

कोरबा। कोरबा-रायगढ़ इंटरसिटी समेत विभिन्न ट्रेन चलाने की मांग करते हुए भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी भाकपा जिला परिषद कोरबा ने ज्ञापन सौंपा। रेलमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपे पत्र में प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि कोरबा जिला इंडस्ट्रियल क्षेत्र है। जहां भारत के अलग-अलग क्षेत्र से आकर यहां लोग विभिन्न कंपनियों में काम करते हैं एवं व्यवसाय के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। उन्हें अपने पेशेवर स्थान पर जाने के लिए ट्रेनों की पर्याप्त सुविधा न होने के कारण काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। भाकपा

सचिव ने पवन कुमार वर्मा कहा कि कोरबा क्षेत्र में एशिया का सबसे बड़ी कोयले की खान है पूरे भारत वर्ष में 75 से 80 प्रतिशत तक कोयले की आपूर्ति की जाती है। इसके साथ ही एल्युमिनियम व बिजली का सर्वाधिक उत्पादन होता है। कोरबा क्षेत्र के लोगों को यात्री ट्रेनों से वंचित रहना पड़ता है। उन्होंने कहा कि कोरबा के आम जनता को आज तक कांग्रेस और भाजपा दोनों ने छला है। वरिष्ठ ने एनके दास ने कहा कि कोरबा में बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, मध्य प्रदेश एवं अन्य राज्यों के लोग रहते हैं पर कोरबा

से सिर्फ साउथ के लिए तीन गाड़ियां हैं। दिल्ली जाने के लिए एक गाड़ी है, जबकि अन्य क्षेत्र के लिए एक भी गाड़ी नहीं है। सुनील सिंह ने कहा कि सरकार को सबसे ज्यादा राजस्व देने के बाद भी ट्रेन के लिए जनता को भटकना पड़ता है। मनीष चाग ने कहा कि केंद्र सरकार से मांग है कि कोरबा से हर राज्यों के लिए ट्रेन चलाई जाए। जिला सचिव वर्मा ने कहा कि अगर यह मांग पूरी नहीं होती आम जनता को यात्री ट्रेनों की सुविधा नहीं मिलती तो आगे चलकर एक जन आंदोलन किया जाएगा।

पेड न्यूज, राजनीतिक विज्ञापन सहित सोशल मीडिया पर चुनावी प्रचार की होगी मॉनिटरिंग

बिना अनुमति के विज्ञापन प्रकाशित कराने पर नियमानुसार की जाएगी कार्यवाही

कोरबा। विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय मीडिया अनुप्रमाणन एवं मॉनिटरिंग समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिये भारत निर्वाचन आयोग के मार्गदर्शी बिन्दुओं के अनुरूप आदर्श आचार संहिता, राजनीतिक विज्ञापन, पेड न्यूज, सोशल मीडिया आदि के माध्यम से प्रचार प्रसार हेतु मापदंड की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मास्टर ट्रेनर्स डा.एम.एम.जोशी ने आदर्श

आचार संहिता के संबंध में विस्तार से बताया। डॉ. जोशी ने बताया कि मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति द्वारा पेड न्यूज की मॉनिटरिंग की जाएगी। पेड न्यूज होने पर उसकी जानकारी समिति द्वारा रिटर्निंग ऑफिसर को दिया जायेगा। रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा उम्मीदवार को नोटिस जारी किया जायेगा। जिले में गठित एमसीएमसी द्वारा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, केबल नेटवर्क, सोशल मीडिया आदि पर जारी किये जाने वाले विज्ञापनों की सत मॉनिटरिंग की जायेगी। विज्ञापन प्रकाशित होने पर जो भी खर्च है उसे अभ्यर्थी के खाते में जोड़ा जायेगा। अलग-अलग इलेक्ट्रॉनिक चैनलों में यदि एक ही तरह के फोटो और मैटर

लगातार एक ही अभ्यर्थी के पक्ष में प्रचार हो तो ऐसे समाचार प्रसारण पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। ऐसी सभी समाचार पेड न्यूज की श्रेणी में शामिल होंगे तथा उसका खर्च संबंधित अभ्यर्थी के निर्वाचन खर्च में जोड़ा जायेगा। डॉ. जोशी ने बताया कि राजनीतिक दल एवं निर्वाचन लड़ रहे अभ्यर्थियों को टेलीविजन चैनल या केबल नेटवर्क पर विज्ञापन जारी करने के पहले निर्वाचन आयोग द्वारा अधिकृत अधिकारी के समक्ष आवेदन करना होगा। इसके लिए राजनीतिक दलों एवं अभ्यर्थियों को प्रकाशित एवं प्रसारित करने के पूर्व जिला स्तरीय समिति से प्रमाणन कराना जरूरी होगा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कटघोरा में स्वास्थ्य मेला का हुआ आयोजन

स्वास्थ्य मेले में कुल 292 मरीजों का किया गया उपचार

कोरबा। कलेक्टर सौरभ कुमार के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केसरी के नेतृत्व में ?आयुष्मान भव: %अभियान के तहत जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर तथा उपस्वास्थ्य केन्द्रों में आने वाले मरीजों के इलाज के साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं की जानकारी प्रदान की जा रही है। साथ ही उन्हें अंगदान के लिए प्रेरित कर शपथ भी दिलाया जा रहा है। इसी कड़ी में विगत दिवस सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कटघोरा में साप्ताहिक स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया।



जिसमें विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई तथा मेडिकल कलैज के विशेषज्ञ चिकित्सकों तथा सीएचसी कटघोरा में पदस्थ विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा शिविर में स्वास्थ्यगत विभिन्न

बीमारियों का उपचार किया गया तथा उपस्थित मरीजों को दवाईयां वितरण किया गया। स्वास्थ्य मेले में 292 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कर उपचार प्राप्त किया तथा 05 लोगों को आभा नम्बर जारी किया गया तथा

08 लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया तथा 18 लोगों ने अंगदान हेतु पंजीयन कराया है। आयुष्मान भव: ' अभियान के तहत शहरी स्वास्थ्य केन्द्रों में शिविर लगाकर सिकलिन जांच किया

गया। अभी तक जिले में 122 आभा नंबर, 155 आयुष्मान कार्ड, अंगदान 175 हेतु रजिस्ट्रेशन हो चुका है, तथा कुल 2132 लोगों ने उपचार प्राप्त किया है। सीएमएचओ डॉ.केसरी ने बताया कि 04 अक्टूबर 2023 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पोंडो-उपरोड़ा में स्वास्थ्य मेला आयोजित किया जाएगा। इस स्वास्थ्य मेले में विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा मरीजों को लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने जिले के नागरिकों से इस शिविर में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाने की अपील की हैं साथ ही आयुष्मान कार्ड से छूटे हुए हितग्राही शिविर में अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं।

रोजगार पंजीयन प्रमाण पत्र का वितरण हुआ

सारंगढ़ बिलाईगढ़(विश्व परिवार)। सहायक संचालक कौशल विकास पुरुषोत्तम स्वर्णकार के नेतृत्व में इंडोर स्टेडियम सारंगढ़ में करीब 600 रोजगार पंजीयन एवं नवीनीकरण प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। जिन आवेदकों ने आवेदन जमा किया था, जो आवेदक प्रमाण पत्र लेने नहीं आ पाए, वे नगरपालिका कार्यालय सारंगढ़ के रोशन यादव से संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे आवेदक जिनका प्रमाण पत्र नहीं मिला वे जिला रोजगार अधिकारी रायगढ़ रामजीत राम से मोबाइल नंबर 9424184279 पर संपर्क कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि कई आवेदकों ने आवेदन पत्र के साथ संबंधित अंकसूची व प्रमाण पत्र संलग्न नहीं किए थे, जिस कारण उनके रोजगार पंजीयन प्रमाण पत्र नहीं बन पाए।

संपादकीय ‘इंडिया’ के सामने ओबीसी वोट की चुनौती..

अजीत द्विवेदी

विपक्षी पार्टियों के गठबंधन ‘इंडिया’ के सामने सबसे बड़ी चुनौती अन्य पिछड़ी जातियों यानी ओबीसी का वोट वापस हासिल करने की है। पिछले दो लोकसभा चुनावों से ओबीसी वोट तेजी से भाजपा की ओर शिफ्ट हुआ है। यह भारतीय राजनीति का एक अनोखा और दिलचस्प पहलू है। भारतीय राजनीति के क्षितिज पर नरेंद्र मोदी के उदय से पहले माना जाता था कि मंडल और कमंडल की राजनीति एक दूसरे के विपर्यय हैं यानी एक दूसरे के उलट और विरोधी हैं। लेकिन 2014 के चुनाव से यह तस्वीर बदलने लगी, जो बाद में कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी दिखी। अब मंडल और कमंडल यानी जाति और धर्म की राजनीति एक हो गई है या कह सकते हैं कि एक दूसरे के साथ हाथ जोड़े चल रही है। मंडल और कमंडल की राजनीति के एक हो जाने का स्पष्ट संकेत 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव के आंकड़ों में दिखता है। 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले तक राष्ट्रीय चुनावों में भाजपा एक चौथाई के करीब ओबीसी वोट ले पाती थी। भाजपा को 2009 में पिछड़ी जातियों का 22 फीसदी वोट मिला था। यह आंकड़ा 2014 में बढ़ कर एक तिहाई से ज्यादा यानी 34 फीसदी हो गया। इसके अगले चुनाव में यानी 2019 में वोट डालने वाले लगभग हर दूसरे ओबीसी मतदाता ने भाजपा को वोट किया। भाजपा को 44 फीसदी ओबीसी वोट मिला। जिस अनुपात में भाजपा का ओबीसी वोट बढ़ता गया उसी अनुपात में कांग्रेस और प्रादेशिक पार्टियों का वोट घटता गया। कांग्रेस को 2009 में 24 फीसदी ओबीसी वोट मिला था, जो पिछले दो चुनावों में 15 फीसदी पर स्थिर रहा।

ग्राम स्वराज की अवधारणा के साथ न्याय के पथ पर बढ़ता छत्तीसगढ़

■ महात्मा गांधी महामानव के साथ एक जीवन मूल्य भी है

(लेखक- एल.डी. मानिकपुरी, सहायक जनसम्पर्क अधिकारी)

सत्य और अहिंसा के पुजारी के रूप में विश्व विख्यात महात्मा गांधी को आज जयंती है। भारत सहित पूरी दुनिया उनके आदर्शों और विचारों को जानने, समझने और स्वीकार करने में लगे हुए हैं।किंतु आज की परिस्थिति में यह कैसे संभव था कि अहिंसा और सत्य के बल पर इस महान देश को स्वतंत्रता मिली होगी! लेकिन सत्य भी है व इतिहास साक्षी है कि मोहनदास करमचंद गांधी की जीविजिवा ने, उनके आत्मबल ने अंग्रेजों की तानाशाही, जुल्म और गुलामी के खिलाफ उन्होंने अहिंसाआंदोलन सत्य की मन्त्र को ही चुना और इस तरह करोड़ों भारतवासियों के महात्मा बन गए। महात्मा गांधी को जानने, समझने, पढ़ने और उनको आत्मसात करने के लिए बड़े दिल और दिमाग की जरूरत है। महात्मा गांधी ने जहां आदिवासियों, अनुसूचित जातियों, पिछड़े तबकों की समस्याओं और जरूरत को न सिर्फ समझे बल्कि उन्होंने उस दौर में जीया भी। छुआछूत, ऊंचनीच, जाति-धर्म और रंग के खिलाफ मुचर और विचार वैचारिक हथियार के दम पर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने वाले महात्मा की आज हम सबकी जरूरत है। जब हम ग्राम स्वराज की बात करते हैं, तब परम्परागत व्यवसाय, लोक संस्कृति, पर्व, खान-पान, बोली-भाषा को उचित मान और नई पीढ़ी को उससे जोड़कर रखना भी है। विगत पौने पांच बरस से छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की सरकार है। सरकार बनाते ही उन्होंने किसानों, ग्रामीणों, श्रमिकों, आदिवासियों, अनुसूचित जातियों, पिछड़े



प्रादेशिक पार्टियों को 2009 में 54 फीसदी ओबीसी वोट मिला था, जो 2014 में घट कर 51 फीसदी हुआ और 2019 में सीधा 10 फीसदी कम होकर 41 फीसदी रह गया। यानी भाजपा का ओबीसी समर्थन 2009 से 2019 के बीच दोगुना हो गया। वह 22 से बढ़ कर 44 फीसदी हो गया। भाजपा को मिले ओबीसी वोट में मजबूत व मझोली पिछड़ी जातियों का हिस्सा 40 फीसदी और अत्यंत पिछड़ी जातियों का हिस्सा 48 फीसदी है। कांग्रेस से लेकर उसकी तमाम सहयोगी और संभावित सहयोगी पार्टियों की असली नीति यह ही आंकड़ा है। हालांकि इसके अलावा भी कई आंकड़े हैं, जिन पर विपक्षी पार्टियों को बारीकी से विचार करने की जरूरत है, जैसे पिछले 10 साल में भाजपा ने मुस्लिम छोड़ कर हर समुदाय के वोट में पैठ बनाई है और उसको मिलने वाले हर समुदाय के वोट में

बढ़ोतरी हुई है। हालांकि वो समूह ऐसे हैं, जिनमें पहले से भाजपा मजबूत रही है। वैश्य और सर्वर्ण में भाजपा का पहले से मजबूत असर रहा है। खेती करने वाली जातियों जैसे मराठ, जाट, वोकाालिगा, रेड्डी आदि का मामला अलग है। अलग अलग राज्यों में इनका आधार है और भाजपा को कोशिश है कि इन जातियों की राजनीति करने वाली पार्टियों के साथ उसका चुनावी तालमेल हो जाए। इनमें से भी ज्यादातर जातियां अलग अलग राज्यों में ओबीसी श्रेणी में ही आती हैं। इसलिए अगर भाजपा को राजनीति को देखें तो बड़े केनवस में वह हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की राजनीति कर रही है, जबकि सूक्ष्म रूप से वह जातियों की राजनीति को अलग अलग तरीके से साथ रही है। तभी संसद में महिला आरक्षण बिल पर भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा का यह कहना गौरतलब है कि कांग्रेस ने कभी भी

विचार अब अमेरिका को आईना!

जयशंकर ने ना सिर्फ कनाडा को सख्त संदेश दिया, बल्कि अमेरिका को भी आईना दिखाने की कोशिश की। जयशंकर के भाषण ऐसी कई बातें आईं, जो अक्सर आजकल चीनी राजनयिकों के भाषणों में सुनने को मिलती हैं। संयुक्त राष्ट्र में विदेश मंत्री एस जयशंकर के संबोधन का लब्बोलुआब संभवतः यह है कि भारत ने पश्चिमी देशों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जयशंकर ने वहां से ना सिर्फ कनाडा को सख्त संदेश दिया, बल्कि अमेरिका को भी आईना दिखाने की कोशिश की। जयशंकर के भाषण ऐसी कई बातें आईं, जो अक्सर आजकल चीनी राजनयिकों के भाषणों में सुनने को मिलती हैं। मसलन, उन्होंने कहा कि अब वह दौर चला गया, जब कुछ देश दुनिया का एजेंडा तय कर देते थे। साथ ही उन्होंने नियम आधारित विश्व व्यवस्था के अमेरिकी कथानक को भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं में अक्सर नियम आधारित विश्व व्यवस्था की बात आती है। संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र का भी उल्लेख किया जाता है। लेकिन असल में कुछ ही देश हैं, जो एजेंडा तय करते हैं और नियमों को परिभाषित करते हैं। जयशंकर ने कहा- ‘यह अनिश्चितकाल तक चलने नहीं रह सकता। ना ही अब बिना किसी चुनौती के ऐसा चलता रहेगा।’ इसके साथ ही वैक्सीन भेदभाव, जयवयु परिवर्तन की ऐतिहासिक जिम्मेदारी और खाद्य एवं ऊर्जा को जरूरतमंद देशों के बजाय धनी देशों को भेजने के लिए बाजार की शक्ति के उपयोग का मुद्दा भी उठाया। ये वो तमाम बातें हैं, जिन पर धनी देशों का विकासशील देशों के साथ पुराना टकराव रहा है। न्यूयॉर्क में हुए एक अन्य संवाद के दौरान जयशंकर ने कनाडा पर आतंकवाद की पनाहगाह होने का सीधा सीधा इल्जाम लगाया। नियम बनाने वालों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा प्रादेशिक अखंडता और अन्य देशो के आंतरिक मामलों में अहस्तक्षेप की नीति को अपनी सुविधा के अनुसार लागू नहीं किया जा सकता। जयशंकर के इन बयानों का मतलब फिलहाल तो यही निकाला जाएगा कि कनाडा की धरती पर एक कनाडाई नागरिक की हत्या में भारत का हाथ होने के आरोप पर बचाव की मुद्रा में नहीं है। सरकार का बचाव की मुद्रा में ना आना राष्ट्रीय स्वाभिमान की भावना को पुष्ट करेगा। मगर इसके साथ ही यह प्रश्न भी है कि क्या साथ-साथ पश्चिम और चीन के गुट के साथ टकराव मोल लेना देश के दूरगामी हित मे है? आशा है, नीति निर्माताओं पर इस पर पर्याप्त विचार किया होगा।

न्यायपालिका का सकारात्मक हस्तक्षेप

सर्वोच्च अदालत ने विधायिका को सुचितो को ध्यान में रखते हुए एक बड़ा सकारात्मक हस्तक्षेप किया है। सुप्रीम कोर्ट ने तय किया है कि चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात सदस्यों की एक संविधान पीठ इस बात पर विचार करेगी कि सदन के अंदर रिश्तत लेने पर सांसद या विधायक को मुकदमे से मिलने वाली छूट जारी रहनी चाहिए या उसे खत्म कर दिया जाए? यह बेहद महत्वपूर्ण सवाल है, जो राजनीति की नैतिकता से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की बेंच ने इस सवाल पर विचार किया था और संविधान के अनुच्छेद 105 (2) और 194 (2) के तहत सांसदों को मिली छूट को बरकरार रखा था। पांच जजों की बेंच ने 1998 में अपना फैसला सुनाया था और पिछले 25 साल से यह नजीर है। अब सात जजों की बेंच इस फैसले पर पुनर्विचार करेगी। यह एक संयोग है कि जिस विवाद के बाद पांच जजों की बेंच ने इस सवाल पर विचार किया था और जिस विवाद के बाद अब सात जजों की बेंच इसी सवाल पर फिर से विचार करेगी वो दोनों विवाद झारखंड मुक्ति मोर्चा से जुड़े हैं। पहला मामला 1993 का है, जब केंद्र की पीवी नरसिंह राव सरकार को बचाने के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन सहित पांच सांसदों ने कथित तौर पर रिश्तत ली थी। इस मामले में सर्वोच्च अदालत ने सांसदों को मिले संसदीय विशेषाधिकार का हवाला देकर उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। यह फैसला 1998 में आया था और पिछले 25 साल से इसे संवैधानिक प्रावधानों के साथ मिला कर देखा जाता है। दूसरा मामला, जिसके बाद सात जजों की संविधान पीठ बनाई गई है, झारखंड मुक्ति मोर्चा की विधायक सीता सोरेन का है। आरोप है कि जामा विधानसभा सीट की विधायक के तौर पर उन्होंने 2012 में राज्यसभा चुनाव में एक खास उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने के लिए पैसे लिए थे। जब इस मामले की सीबीआई जांच की दिग्य हुई तब सीता सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट के 1998 के फैसले का हवाला दिया था और कहा था कि सांसदों और विधायकों को सदन के अंदर किए गए।

वागों, युवाओं, महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए ऐसी नीति तैयार की है, जो आने वाली पीढ़ियों को न्यायसंगत अधिकार भी दे रही है। जब न्याय की बात होती है तो थाना, अदालत, कोर्ट-कचहरी आंखों के सामने दिखाई पड़ती है, इसके वावजूद मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने साफ़और स्पष्ट करते हुए है कि हमारी सरकार किसी के हक को मारकर आगे नहीं बढ़ेगी। साथ ही जरूरतमंद लोगों और समाज के सभी वर्गों को सामाजिक, शैक्षणिक, राजनैतिक, आर्थिक न्याय मिले इसके लिए सरकार हर समय डटे रहेगी। सम्भवतः यही वह रीति- नीति है, जो बापू के पथ पर चलने में मददगार साबित हुई है। जब हम नीति और न्याय की बात करते हैं, तब विगत पौने पांच बरसों के आंकड़े ढूंढने लगते हैं। लेकिन जमीनी स्तर पर जब यह देखने को मिलता है कि आदिवासियों का मुख्य आय का जरिया तेन्दूपता, लघुवनोपज आदि उत्पाद का सही दाम और सही समय पर मिलने लगे हैं, वहां निवासरत रहने वाले लोगों के जीवनस्तर में बदलाव देखने को मिल रहा है तब यह सामाजिक न्याय बन जाता है। और यह सरकार की उत्कृष्ट नीति, सार्थक निर्णय का ही परिणाम रहा है। कभी सोचने में ही मुश्किल होता था कि एक गरीब व सामान्य परिवार के बच्चे भी प्रदेश के उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल में पढ़ेगा किंतु यह भी दूरदर्शी नीति और सकारात्मक निर्णय का ही परिणाम रहा है कि अब प्रदेश के लाखों बच्चे स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट स्कूल में पढ़ाई के साथ अच्छी अधोसंरचना के साथ खेलकूद में भी भाग ले रहे हैं। जब कभी सर्दी-खांसी, बुखार परिवार के किसी सदस्य को हो जाए तो कुछ पल के लिए परेशानी बढ़ जाती है लेकिन यह भूपेश सरकार की नीति ही है जिन्होंने अस्पताल को चौखट तक ला दिया। परिवार के किसी भी सदस्य को कोई गंभीर बीमारी हो जाए तो आर्थिक स्थिति बुरी तरह से चरमरा जाती है, लेकिन एक संवेदनशील और



लोक कल्याणकारी सरकार की अवधारणा पर चलने वाली भूपेश सरकार ने मुख्यमंत्री विशेष सहायता योजना के तहत पात्र व जरूरतमंद मरीजो के लिए 25 लाख रूपए तक मदद करने की जो नीति तैयार की है, वह भी एक न्याय है। बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी देश की आर्थिक स्थिति में अक्सर असर डालता है। किंतु छत्तीसगढ़ में भूपेश सरकार की ही नीति रही है, जिन्होंने कोरोना जैसे विपदा के समय भी आम लोगों को भरपेट भोजन, मनरेगा व अन्य रोजगार मुंहेया कराने में सफल हुए। प्रदेश के लाखों युवाओं को बेरोजगारी भत्ता दिया जा रहा है, उन्हें प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है ताकि रोजगार व स्वरोजगार करने में मदद मिले। छत्तीसगढ़ में बेरोजगारी दर लगातार कम रहना प्रदेश के लिए गौरव की बात है, तो गरीबी रेखा से जीवन यापन करने वाले लोगों की संख्या में कमी होना भी एक सुबहद परिणाम है। लोगों की बुनियादी जरूरतों, भोजन, आवास, सड़क, बिजली, अस्पताल, स्कूल, पीने की साफपानी, रोजगार पर आंकलन करते हैं। तब हमें वह स्कूल की दीवार भी दिखाई देती है जो विगत 13 बरसों से बंद थीं। राज्य सरकार की

आचार्य विद्यासागर महाराज से प्रेरित साधक “शाकाहारी शेर”

मुहम्मद शफीक खान

अहिंसा, करूणा को संकल्पित, ऐसा व्यक्तित्व, जिसने जान का जोखिम लेकर भी अपने मार्ग पर जुटे रहने का साहस दिखाया। 66 वर्षीय, एम. ए. अपराधशास्त्र एवं विधि विज्ञान, अविवाहित, मस्तमौला, निर्भीक, मिलनसार, स्पष्टवादी, दृढनिश्चयी, बेमिसाल, ईमानदार स्वभाव से ओत-प्रोत, छात्र जीवन से ही सहपाठियों में लोकप्रिय रहे। समाजसेवा में अपना अच्छा स्थान बनाया। जात-पात, धर्म-भेद से पूर्णतः विरत। एक शिक्षित पारिवारिक पृष्ठभूमि। वे स्वयं शाकाहारी हैं, साथ ही तीन दशकों से अहिंसा शाकाहार का प्रचार भी करते हैं। देश भर में मंचीय उद्बोधन देने वाले श्री खान विद्वान लेखक भी हैं। अहिंसा, आचार्य श्री एवं संत/फकीरी दर्शन पर केंद्रित उनके कई लेख एवं कर पुस्तकें “बस्तर में अहिंसा की महिमा”, “सबके संत”, “अपनी-अपनी गुरुभक्ति” तथा “एक मुलाकात फकीरी से” प्रकाशित हैं। उन्हें कई सम्मानों उपाधियों से नवाजा गया है। जिनमें प्रमुख हैं- संयम स्वर्ण वर्ष के अवसर पर खजुराहो में आचार्य श्री के सानिध्य में “सर्वोत्कृष्ट सम्मान”। अहिंसा शाकाहार के क्षेत्र में अति उत्कृष्ट कार्य हेतु, भगवान महावीर फउन्डेशन चेअर्ड द्वारा दिया जाने वाला “भगवान महावीर अवार्ड”। यह पुरस्कार भारत के माननीय उपराष्ट्रपति जी के कर कमलों से प्राप्त किया गया। अहिंसा इन्टरनेशनल सप्ताह द्वारा “अहिंसा इन्टरनेशनल रघुवीर सिंह जैन जीव रक्षा पुरस्कार” नई दिल्ली। शाकाहार उपासना परिसंघ दमोह म0प्र0 द्वारा “ अहिंसा महावीर चक्र अवार्ड” भी प्रदान किया गया। दया धर्म का मूल है। इस उक्ति को चरितार्थ करने वाले शफ़ीक खान कोई परिचय के मुहताज नहीं हैं आज उनकी पहचान एक अहिंसा रत्न के रूप में है। कोरोना काल में जिंदगी और मौत के संघर्ष का सामना करना पड़ा। साधु संतो के आशीर्वाद से मौत की भी हरा दिया। प्रकृति से ऐसा लगाव कि अपनी सांसें का भी मूल्य चुकाने की भावना के साथ



शफ़ीक खान जी अक्सर देखे जाते हैं। परम् पूज्य आचार्य विद्यानन्द जी, आचार्य बर्द्धमान सागर जी महाराज सहित आचार्य विजयकीर्तिशय सूरेश्वर म.सा., बस्तर के आदिवासी संत वल्कलधारी बाबा वासुदेव जी जैसे अनेकों विद्वान संतों का सानिध्य भी उन्हें मिला है। वे सूप्री विचारधारा से प्रभावित, निर्मल मन की एक महान विभूति हैं। अहिंसा के समर्थन के परिणाम स्वरूप उनका बहुत अधिक उत्पीड़न किया गया। इतनी प्रताड़नाओं के बाद भी वे अहिंसा, शाकाहार, जीवदया एवं समाज सुधार के अपने मिशन पर अभी भी लगातार जुटे हुये हैं। आज वे अहिंसा शाकाहार का प्रतीक बन गये। जीवदया, मानवसेवा, जनहित के अनेकों अभियानों से जुड़े हैं। पर्यावरण, प्रदूषण, और वृक्ष जगत पर उनके विचार व प्रयास, प्रकृति के प्रति उनकी संवेदनशीलता के प्रतीक हैं। 200 से अधिक रक्तदान शिविर लगवाने में अहम् भूमिका रही। मुहम्मद शफ़ीक खान जैसे व्यक्ति जिस आत्मविश्वास से अहिंसा, प्रेम, दया, करूणा व सेवा के मानवीय मिशन को लेकर चल रहे हैं, वह निश्चित ही सराहनीय है। वह जाति, धर्म और सम्प्रदाय से परे केवल इन्सान बनकर जीने का उपक्रम करते हैं। विषम परिस्थितियों में भी अपने मिशन पर निरन्तर सक्रिय रहना उनकी दृढ़ता का प्रतीक है। आज वे

ओबीसी प्रधानमंत्री नहीं बनाया, जबकि भाजपा ने देश को ओबीसी प्रधानमंत्री दिया। हालांकि नरेंद्र मोदी से पहले एचडी देवगौड़ा प्रधानमंत्री बने थे, जो ओबीसी समुदाय से आते हैं और चूँकि उत्तर प्रदेश में जाट ओबीसी में आते हैं इसलिए चौधरी चरण सिंह पहले ओबीसी प्रधानमंत्री माने जाएंगे। बहरहाल, अगले चुनाव की असली राजनीति ओबीसी वोट की है। तमिलनाडु में डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन ने सनातन को बीमारी बताया और इसके उन्मूलन की अपील करके ओबीसी राजनीति की है तो बिहार में चंद्रशेखर और उत्तर प्रदेश में स्वामी प्रसाद मौर्य ने ‘रामचरितमानस’ की कुछ चौपाइयों को दलित, पिछड़ा और स्त्री विरोधी बता कर ओबीसी व दलित राजनीति को साधने का प्रयास किया है। इस राजनीति के बीच ‘नारी शक्ति बंदन अधिनियम’ यानी महिला आरक्षण बिल पास हो गया है। संसद के दोनों सदनों में कांग्रेस और मंडल की राजनीति करने वाली सभी पार्टियों ने इस बिल का समर्थन किया। राज्यों में भी जहां उनकी सरकारें हैं वहां वे इसे पास कराएंगी। लेकिन साथ ही यह सवाल उठाती रहेंगी कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने महिला आरक्षण के भीतर ओबीसी आरक्षण की व्यवस्था नहीं की। विपक्षी पार्टियों के और खास कर मंडल की राजनीति करने वाली पार्टियों के सोशल मीडिया में सक्रिय समर्थक महिला आरक्षण बिल को सर्वर्ण महिला आरक्षण बिल बता कर प्रचारित कर रहे हैं। वे फिल्मी अभिनेत्रियों को हस्त्यौं दिखा कर बता रहे हैं कि भाजपा सरकार के लाए कानून से ऐसी महिलाएं संसद में पहुंचेंगी। उनका दावा है कि इससे लोकसभा में ओबीसी सांसदों का प्रतिनिधित्व कम होगा और बड़ी संख्या में सर्वर्ण महिलाएं सांसद बन कर पहुंचेंगी।

संवेदनशील पहल के कारण अब स्कूल भी खुल गई

और शिक्षा की रोशनी भी चमकने लगी है। बस्तर से लेकर सरगुजा तक सड़क और पुल-पुलिया, 24 घंटे बिजली और हर परिवार को पक्का आवास देने जैसे कार्य योजना ने राज्य सरकार की नीति को ‘छत्तीसगढ़ मॉडल’ में बदल दी। कौन सोच सकता था कि प्रदेश में गोबर व गौमूत्र की भी खरीदी होगी, लेकिन यही नीति ने तो ग्रामीणों और पशुपालकों के जीवन स्तर को संवराने का काम तो किया ही, उनकी आर्थिक स्थिति को भी मजबूत करने में भी बड़ा योगदान दिया है। सुराजी योजना, गोधन न्याय योजना ने तो देश के अन्य राज्यों को अपनी ओर खींचने को विवश किया। कई कार्यों के लिए भारत सरकार से सम्मान प्राप्त हुए और साराहना भी मिली। तब ऐसी नीति, निर्णय और न्याय से बापू के उस ग्राम स्वराज के सपने को साकार करने में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनकी सरकार ने जिस जुनून और परिश्रम के साथ जुटे हैं तब यहां के लोगों ने सहसा कहना शुरू कर दिए कि ‘भूपेश है तो भरोसा है।’ और इस तरह बापू के बताए मार्ग पर चलते हुए राज्य सरकार कुषोषण से छुटकारा पाने के लिए मुख्यमंत्री सुषोषण अभियान छोड़ा है तो अश्रदाताओं के उपज का सही दाम दिलाने के लिए राजीव गांधी किसान न्याय योजना और राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के माध्यम से इन परिवारों को आर्थिक मदद भी की जा रही है। महात्मा गांधी जी को याद करते व श्रद्धांजलि देते समय, हमें यह संकल्प भी लेना होगा कि मीठी जुबान, सद्गुणहार, सहयोग, सद्भाव, संवेदनशीलता, सखानुभूति, सत्य और अहिंसा ही वह शस्त्र है, जिनके बल पर समाज, प्रदेश व देश के विकास में अपनी योगदान दे सकते हैं। महामानव बापू निश्चित ही इस धरती में भौतिक रूप में नहीं है लेकिन उनके विचार, सिद्धांत युगों-युगों तक अमर रहेगा। नमन बापू..।

सर्वोदय के मार्ग पर चलते हुये अपना जीवन सम्पूर्ण

सादगी और समर्पण के साथ सार्थक कर रहे हैं। आपने जिओ और जीने दो के सिद्धान्त को आत्मसात चरितार्थ किया है। भारतीय दर्शन की सन्त परम्परा से प्रेरणा लेकर दुनिया में सत्य अहिंसा की स्थापना और मानव सेवा, जीव मात्र की सेवा का मार्ग अपना लिया और सतत अग्रसर हैं। उन्होंने संयम के मार्ग पर स्वयं को इतना परिष्कृत कर लिया है कि वे अब परम् पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के पुरानी पिच्छिका मांगने का भाव सार्वजनिक मंच से प्रकट कर चुके हैं और आचार्य श्री संसंध के सानिध्य में अक्सर ही देखे जाते हैं। आचार्य गुरुवर विद्यासागर महाराज जी के आशीर्वाद ने दुनियाँ के हिंसा के दलदल में अहिंसा शाकाहार का बहुत ही सुन्दर कमल खिला दिया। यह उनकी गुरुवर के प्रति आस्था का परिणाम है। जो हर मुश्किलों को आसानी से पार कर पाते हैं? लेकिन स्वयं के जन्म परिवेश व अहिंसक समाज के कुछ नयमज्ञ लोगों का उनके प्रति व्यवहार कभी-कभी चिंता का विषय रहा। जिस पर उन्होंने - “खान” नाम से नफ़्त का पीडित में भी - शफ़ीक” शीर्षक से एक लेख भी लिखा। आज बिकूल अकेले रहकर, स्वास्थ्य विधियों से जुझते हुये अहिंसा की मशाल थामें एक अनुकरणीय व्यक्तित्व का नाम है शफ़ीक खान। आयु के इस पड़ाव पर उनके कुछ परिचित उनकी देखभाल कर रहे हैं। संतों के प्रति सम्पूर्ण इस व्यक्तित्व को संतों से तो भरपूर वात्सल्य मिला, लेकिन प्रश्न यह भी है कि क्या सात्विक व अहिंसक समाज को शफ़ीक नाम की अपनी इस धरोहर को सम्हालने के लिये आगे आना नहीं चाहिये ?

प्रस्तुति-ऋषभ सिंघई गुरू भैया
9893504002, डॉ. अर्चना जैन 9301320139, दीप्ती राजकुमार जैन, महेश जैन बाबू, अजित नायक, डॉ.ऋषभ जैन,-(संसार) म.प्र., इन्द्रकुमार जैन ‘इन्दू भैया’, पवन जैन ‘पप्पू भैया’ - (रायपुर) छत्तीसगढ़

विश्व परिवार

रायपुर, सोमवार 02 अक्टूबर 2023

संक्षिप्त समाचार

संजीवनी वृद्धाश्रम गुडियारी में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया



रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 1/10/2023 को संजीवनी वृद्धाश्रम, कोटा रोड गुडियारी में अध्यक्ष की उपस्थिति में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें परिसर की साफ सफाई एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वृद्धजनों के साथ स्वल्पाहार किया गया, एवं बैंक के छत्रकमल अंतर्गत वाटर कूलर प्रदान करने की घोषणा की गई, कार्यक्रम में महाप्रबंधक श्री विजय अग्रवाल सर, श्री मित्तल सर, सहायक महा. प्र श्री कमलेश कुंदन सर, क्षेत्रीय प्रबंधक श्री अमरजीत खन्नुवा सर, मुख्य प्रबंधक श्री हरविंदर सिंह, एवं कॉरपोरेट कार्यालय से विजय धुरंधर, श्री पी.जी बेदी, श्री मोहित सिंघल, श्री विजय चौकसे, श्री संजय गोयल, श्री नवीन शर्मा, श्री संदीप कुमार एवं श्री सुनील शर्मा उपस्थित रहे।

ग्रीन आर्मी द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान की शुरुआत, स्वच्छांजली कार्यक्रम के तहत श्रमदान करें: डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर



रायपुर (विश्व परिवार)। एक अक्टूबर राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान 1 तारीख 1 घंटा 1 साथ के अंतर्गत ग्रीन आर्मी ब्राउन विंग द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत रायपुर के विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया। इस अवसर पर ग्रीन आर्मी ब्राउन विंग चेयरपर्सन डॉक्टर पुरुषोत्तम चंद्राकर ने कहा कि स्वच्छांजली कार्यक्रम के तहत हम सबको श्रमदान कर अपने शहर को अपने प्रदेश को एवं अपने राष्ट्र को स्वच्छ रखना है और राष्ट्रीय स्वच्छता आंदोलन में हमें सबको लेकर अपने स्थान को स्वच्छ रखना है स्वच्छता के लिए जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध ग्रीन आर्मी द्वारा विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया इस अवसर पर डॉक्टर पुरुषोत्तम चंद्राकर ने कहा कि एकल उपयोग वाले प्लास्टिक को खत्म करने के लिए अपने आंतरिक एवं बाहरी हिंद धारकों को प्रोत्साहित करके प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए एक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है जिसमें सभी रायपुरवासी साथ दें। ग्रीन आर्मी द्वारा संपूर्ण स्वच्छता प्राप्त करने के देश के विजन की दिशा में एक व्यापक जन अभियान की योजना तैयार कर स्वच्छ भारत हरित भारत की दिशा में अपने संसाधनों को समर्पित करना चाहिए इस अभियान में बच्चों को शामिल करते हुए विद्यालयों में स्वच्छता शायथ दिलाई जावे प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जावे। स्वच्छांजली कार्यक्रम में श्रमदान करने ग्रीन आर्मी के संस्थापक अमिताभ दुबे, भारतीय अग्रवाल, पद्मिनी वर्मा, पुनीता चंद्रा, भारती शुक्ला, बबीता गुग्गने, एवं ग्रीन आर्मी के लोगों ने बह चढ़कर भाग लिया।

महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर आज स्वच्छता अभियान

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय महात्मा गांधी जी की जयंती 2 अक्टूबर को पावन अवसर पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी स्वच्छता अभियान का कार्यक्रम रखा गया है। इस कार्यक्रम अनुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मिथिलेश चौधरी के निर्देशन में, नोडल अधिकारी डॉ संजीव मेश्राम एवम डॉक्टर प्रीति नारायण एवम जिला कार्यक्रम प्रबंधक मनीष मेजर वार के मार्ग दर्शन में, चिकित्सा अधिकारियों, एवं कर्मचारी गण द्वारा साफसफाई एवं स्वच्छता कर अपनी कार्यस्थल को सदैव साफ सुथरा रखने का प्रण लिया गया है। अनुपम गार्डन में रैली निकाली गई जलथंडू 50 बिस्तर अस्पताल आयुर्वेदिक परिसर में सफाई अभियान किया गया।

दिगांबर जैन समाज के पर्वराज पर्युषण पर्व उत्तम क्षमा धर्म से प्रारंभ होकर उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म पर जाकर समापन हुए

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। दिगांबर जैन समाज का पर्वराज पर्युषण पर्व उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म पर जाकर समापन हुआ। पूरे 10 दिनों तक धर्म की आराधना व भक्ति भावना के साथ संपन्न हुई इन दस दिनों में पाठशाला के बच्चों द्वारा एवं बहु मंडल के कार्यक्रमों की सभी लोगों ने काफी प्रसंसा की। सामाजिक जन पूरे उत्साह व उमंग के साथ इसमें डूबे रहे। श्री मंदिर की प्रति: 6:00 बजे अभिषेक व शांतिधारा से प्रारंभ होकर सामूहिक पूजन के पश्चात दोपहर में प्रतिदिन विधान के पश्चात रात्रि में श्री जी की आरती भक्ति प्रवचन के साथ धर्मयुग वातावरण बना रहा। सामाजिक जनों ने इसका पूरा पूरा लाभ उठाते हुए प्रत्येक कार्यक्रमों में अपनी सभागिकता प्रदान की। बह चढ़कर हिस्सा लिया धर्मयुग वातावरण में अंत चतुर्दशी के पावन समापन अवसर पर घंट यात्रा जुलूस निकालकर क्षीरसागर रुपी चित्रोत्पला महानदी से जल लाकर श्रीजी का अभिषेक किया गया। अभिषेक करने का अवसर सूरितजैन, सुनील जैन, विनोद जैन व अंजय सिंघई को प्राप्त हुआ तपश्चंद्र प्रथम शांति धारा डॉक्टर राजेंद्र गदिया, अर्पण, समर्पण गदिया परिवार को प्राप्त हुआ वहीं



वचन काय से कृत कारित अनुमोदना से पूरे वर्ष भर के हुए दोषों के लिए क्षमा याचना करते हुए समाज के लोगों ने आपस में एक दूसरे से भी क्षमा मांगते हुए अभिवादन किया। पंचायत कमेटी के अध्यक्ष किशोर सिंघई ने समाज के सभी वर्ग के लोगों से क्षमा मांगते हुए कहा कि पद में रहते हुए कई बार जुवान से कड़ा वचन निकल पड़ता है। मेरे द्वारा जाने अंजाने हुई गलतियों के लिए मन वचन काय से क्षमा प्रार्थी हूं। एवं आप सभी से क्षमा चाहता व क्षमा करता हूं। पंचायत कमेटी के उपाध्यक्ष सुरित जैन, सचिव अखिलेश नाहर संरक्षक रमेश पहाड़िया, निर्माण समिति प्रमुख नीरज गंगवाल, महिला मंडल से अनीता सिंघई, समता सिंघई, बनिता जैन एवं बहु मंडल के अध्यक्ष अंजलि पहाड़िया, अनुष्का चौधरी, अमिताभ जैन, मंजूषा जैन एवं बालिका मंडल ने सभी से क्षमा याचना की। पर्युषण पर्व के 10 दिनों में सभी ने अपनी क्षमता अनुसार संयम तप की आराधना की। उत्तम क्षमा मार्दव, आर्जव शौच, सत्य संयम तप, त्याग, अकिंचन, ब्रह्मचर्य इन 10 धर्मों के पालन से मोक्ष का द्वार खुलता है। मोक्ष मार्ग के लिए इनकी आराधना अति आवश्यक है।

-किशोर जैन

एकता के सूत्र में बंधो, महा-शक्ति बनो : आचार्य विशुद्धसागर जी महाराज

बडौत (विश्व परिवार)। दिगांबर जैन आचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी गुरुदेव ने ऋषभ सभागार में धर्मसभा में सम्बोधन करते हुए कहा कि सबके साथ जीवन जियो, सामन्जस्य बनाना सीखो, पर सिद्धान्तों को मत छोड़ो। दूसरे के साथ मित्रता करो, पर अपना अस्तित्व मत मिटाओ। जिंदगी जीना भी एक कला है। जो समझोता करना नहीं जानते वह जीवन में विफल हो जाते हैं। झगड़ा वही करते हैं, जो नीतिज्ञ नहीं होते हैं। जिसकी एकता, अखण्डता, शांति पर दृष्टि होती है, बहु संग्राम नहीं करती अपितु जी समझोता करके सुख पूर्वक जीवन जीता है। दो शक्तियाँ मिलेंगी, एक महा-शक्ति बनेगी। एकता में आनन्द है, एकता में शांति है, एकता में विकास है, एकता में

जागृति है। परस्पर-एकता धर्म का प्रतीक है। अच्छे चित्र देखोगे, तो चित्त पवित्र होगा और विकृत चित्र देखोगे तो चित्त चारित्र पतित हो जायेगा। जो चित्त को सँभाल लेता है, उसका चारित्र भी पवित्र होता है। पूर्णज्ञानी, महापुरुष किसी की पूजा करते नहीं, स्वयं की पूजा कराते नहीं, दुनिया उनकी पूजा स्वयमेव करती है। ऐसे ही गुणियों के गुणों की प्रसंशा स्वयमेव होती है। गुणवान बनें, चारित्रवान बनें, नीतिज्ञ बनें। यथार्थ धर्म समझो; धर्म हमेशा कल्याण का मार्ग ही प्रशस्त करता है। अशुद्धि घटाये, विशुद्धि बढ़ाये वही सच्चा-धर्म है। धर्म खण्ड होने की शिक्षा नहीं देता। धर्म एकता, सामन्जस्य, मैत्री की शिक्षा देता है। परस्पर की शंका हमारी मित्रता, एकता को घातकर खण्ड-खण्ड कर देती है। आनन्द

पूर्वक जीना चाहते हो तो एकता के सूत्र में बंधो। एकता संबंधों का प्राण है। एक-एक धागा मिलकर वस्त्र बन जाता है। दिया, वाती, घृत और अग्नि मिलकर दुनिया को प्रकाश देते हैं। एकता महा-शक्ति को जन्म देती है। एकता के महत्त्व को समझो। एकता से ही विजय होती है। सभा का संचालन पंडित श्रेयांस जैन ने किया।



रथयात्रा महोत्सव में उमड़े जैन श्रद्धालु, स्वर्ण रथ पर विराजे चंद्रप्रभु भगवान: आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज संयंत्र के पावन सानिध्य में, दिगांबर जैन समाज समिति के सौजन्य से चंद्रप्रभु भगवान् का रथयात्रा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। पर्युषण पर्व और तेरह दीप महामंडल विधान के समापन पर चंद्रप्रभु भगवान की रथ यात्रा भव्य रूप से निकाली गयी। रथयात्रा में सारथी बनने का सौभाग्य ओम प्रकाश अमित जैन को प्राप्त

हुआ। स्वामी का सौभाग्य पवन कुमार आशीष जैन को प्राप्त हुआ। कुबेर बनने का सौभाग्य अजय कुमार नितिन जैन काले भाई को प्राप्त हुआ। त्वरर दुराने का सौभाग्य ओम प्रकाश सुदेश जैन और महेंद्र कुमार विपुल जैन को प्राप्त हुआ। रथयात्रा श्री दिगांबर मन्दिर बड़ा मन्दिर से प्रारंभ होकर सराफा बाजार, संजय मूर्ति, महावीर मार्ग होते हुए दिगांबर जैन कॉलेज ए फील्ड में पहुँची। रथयात्रा में देश के प्रसिद्ध एक दर्जन बैंड, मनमोहक झांकिया, नपरी, ढोल पार्टी, ताशा पार्टी, भजन मंडली आदि धार्मिक धुन बजाते चल रहे थे। भगवान के स्वर्ण नकाशी युक्त अखरोट की लकड़ी से निर्मित रथ की छवि देखते ही बन रही थी। रथ में कही भी लोहे की कील का इस्तेमाल नहीं किया गया है। रथ के आगे आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज संघ सहित चल रहे थे। साथ में सेकड़ों जैन श्रद्धालुओं जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। 8 दीक्षांती ब्रह्मचारी भी रथ पर सुराभित हो रहे थे। रास्ते में जगह जगह अनेक धार्मिक संस्थाओं ने प्रभावना वितरण किया हुआ था। -वरदान जैन

उच्च शिक्षा ज्ञानवान बना सकती है, संस्कार वान नहीं : आचार्य श्री विमर्श सागर जी महामुनिराज



जतारा (विश्व परिवार)। बाल ब्रह्मचारिणी विधु दीदी के अनुशासन में संस्कारित हो रहे विमर्श कैम्प के मुने बच्चों को देखकर समाज के बड़े-बुजुर्ग भी यह बोल उठे काश! मैं भी बच्चा होता। जी हों, रविवार के दिन प्रातः काल की बेला में १६ विमर्श कैम्प के सभी बाल-गोपाल बच्चों ने आचार्य भगवन् के चरणों में उपस्थित होकर, पूर्ण भक्ति-विनय समर्पण के साथ गुरु-पूजन का विहंगम दृश्य प्रस्तुत किया तो वहाँ उपस्थित आबाल-वृद्ध जन समुदाय के हृदय से यह वचन प्रफुटित हो उठे - काश...! आज तो मैं भी बच्चा होता। जन्मभूमि जतारा में चतुर्मास कर रहे नगर गौरव आचार्य श्री विमर्शसागर जी महामुनिराज के सानिध्य एवं निर्देशन में अनेकानेक धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न हो रहे हैं। उस सभी अनुष्ठानों में विमर्श कैम्प अद्भुत, अनुत्त, बेजोड़ अनुष्ठान है। गुरु पूजन के पश्चात् उपस्थित भगवन्सभा को सम्बोधित करते हुए आचार्य श्री ने अपने उद्बोधन में कहा - वर्तमान में अधिभावक माता-पिता अपनी संतान के लिए आज लौकिक शिक्षा का प्रबन्ध तो श्रेष्ठ-से-श्रेष्ठ करने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन संस्कार प्रबन्धन की ओर आज माता-पिता का

किंचित भी ध्यान नहीं है। आज आपकी संतान संस्कारों से रहित होकर पशुओं की तरह जीवन निकाल रही है। आप उन्हें संस्कार नहीं दे पा रहे हैं, यही वर्तमान की स्थिति है। शास्त्रों में कहा गया है कि एक गुरुस्थ को समय आने पर अपना उत्तर दायित्व अपनी योग्य संतान को सौंपना चाहिए जब आपकी संतान संस्कारित हो नहीं होगी, तो आपके द्वारा संतान को सौंपा गया धन वैभव शीघ्र ही नष्ट हो जाने वाला है। संस्कार राहत मात्र लौकिक शिक्षा प्राप्त मानव तालाब में कीचड़ की भाँति मात्र दल-दल ही पैदा कर सकता है, कभी अनुशासित नदी की भाँति वह नहीं सकता। आज का मानव शिक्षित हो रहा है लेकिन बुद्धि से विहीन होता जा रहा है। बुद्धि उसे कहते हैं, जिससे हित-अहित का निर्णय किया जाए। आज का उत्तर शिक्षा प्राप्त व्यक्ति भी बुद्धि से रहित होने के कारण खान-पान और वैचारिक प्रदूषण को प्राप्त होकर स्वयं के ही अहित में लगा हुआ है। भारतीय जैन संगठन तहसील अध्यक्ष एवं जैन समाज उपाध्यक्ष अशोक सागर जैन ने बताया कि प्रातः कालीन बेला में श्री भक्तामर महामंडल विधान के माध्यम से पुण्याजर्न करने का सौभाग्य श्रीमती कल्पना-विनोद जैन, नमन, पूर्ति, स्त्राभ, सलोनी जैन रामगंज मंडी वालों को प्राप्त हुआ। -अनुज जैन

भिलाई (विश्व परिवार)। श्री त्रिवेणी जैन तीर्थ सेक्टर 6 में श्री पार्व दिगांबर जैन सभा सेक्टर 6 जैन मिलन जैन ट्रस्ट जैन महिला क्लब सकल जैन समाज भिलाई की ओर से हमारे परम पूज्य आचार्य मुनिराजों एवं साधु संतों के आशीर्वाद से और आचार्य श्री संजय मुनि जी महाराज जी के द्वारा संपूर्ण राष्ट्र में अहिंसा और शांति का केंद्र स्थापित हो और सभी राष्ट्र आपस में बगैर किसी राग देश के प्रेम और भाईचारा के साथ आपस में एक दूसरे से क्षमा याचना करें जिससे कि पूरे विश्व जगत में अहिंसा और शांति का वातावरण निर्मित होगा इसी भावनाओं से प्रेरित होकर त्रिवेणी जैन तीर्थ सेक्टर 6 में आज सामूहिक श्री 1008 पार्ष्वनाथ भगवान के प्रतिमा के समक्ष क्षमा याचना मांगते हुए सभी भक्तों ने आपस में एक दूसरे को जय जिनेंद्र करते हुए एक दूसरे से क्षमा मांगते हुए भगवान महावीर स्वामी के अहिंसा परमो धर्म और जी और जीने दो का संदेश को साकार करते हुए हर्ष उल्लास के वातावरण में जैन भवन के नए साथ सजा से बने नवनिर्मित सेट पर क्षमा यात्रा के इस अवसर पर पारसनाथ दिगांबर जैन मंदिर के अध्यक्ष ज्ञानचंद्र बाकलीवाल मंत्री प्रशांत जैन जैन ट्रस्ट के ट्रस्टी प्रभात जैन उप मंत्री प्रदीप जैन बाकलीवाल प्रमोद जैन जैन मिलन अध्यक्ष मुकेश जैन उपाध्यक्ष के जैन मंत्री संजय चतुर प्रवीण छाबड़ा

विश्व व्यापी क्षमा याचना दिवस के साथ त्रिवेणी जैन तीर्थ सेक्टर-6 में पारसनाथ भगवान के समक्ष आपस में एक दूसरे से याचना किया



प्रचार प्रभारी एवं संगठन प्रमुख प्रदीप जैन बाकलीवाल भागचंद्र जिनेंद्र जैन देवेन्द्र जैन पंकज जैन प्रमोद नहर संतोष जैन बोंके शाह विपिन जैन वरुण जैन रविंद्र जैन डॉ अंशुल जैन भारत जैन कमलेश विनय के सोमेश जैन अरुण जैन संजीव जैन प्रमोद जैन आदि ने आचार्य श्री को नमन करते हुए मंगलदीप प्रज्वल किया इस अवसर पर 10 उपवास करने वाले राकेश कासलीवाल श्रीमती सुमन कासलीवाल आदि जैन आदि के साथ अनेक उपवास कर्ताओं एवं महिला प्रतिनिधियों का भी और उनकी समिति का सम्मान किया गया 10 लक्षण पर्व में भक्ति पूजन में सहयोग देने वालों का भी सम्मान मंदिर समिति जैन ट्रस्ट और जैन मिलन के प्रतिनिधियों ने श्रीफल और तिलक लगाकर मोतियों की माला के शॉल पहनते हुए अभिनंदन किया। जैन मिलन श्री पारसनाथ दिगांबर जैन महासभा समिति प्रचार-प्रसार प्रभारी प्रदीप जैन बाकलीवाल।

गर्व है और यह समय-समय पर अपने प्रधान कार्यालय और परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर स्वच्छता और वृक्षारोपण अभियान आयोजित करता है। एक जिम्मेदार खनिक के रूप में, हमें अपने-अपने स्थानों पर स्वच्छता कार्य की जिम्मेवारी लेना चाहिए और हरित और टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करने के लिए पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाया चाहिए। स्वच्छ और हरित राष्ट्र के लिए स्वच्छता की आवश्यकता पर जोर देते हुए, एनएमडीसी ने कार्यस्थल पर विभिन्न सफाई गतिविधियों, कार्यालयों और विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रमों और सार्वजनिक स्थानों जैसे टाउनशिप, बाजारों, बस स्टॉप और अन्य सार्वजनिक स्थानों में स्वच्छता पहल का आयोजन किया।

एनएमडीसी ने मेगा स्वच्छता अभियान और पेंटिंग प्रतियोगिता का किया आयोजन

हैदराबाद (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक, एनएमडीसी ने आज 1 अक्टूबर 2023 को अपने प्रधान कार्यालय और देश भर में अपनी परियोजनाओं और क्षेत्रीय कार्यालयों में एक मेगा स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। यह पहल एनएमडीसी द्वारा 15 सितंबर 2023 से 2 अक्टूबर 2023 तक मनाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा, विशेष अभियान 3.0 के तहत की गई।

गांधी की उनकी जयंती की पूर्व संध्या पर स्वच्छांजलि के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, राष्ट्रीय खनिक अपनी सभी प्रमुख परियोजनाओं-किरंदुल, बचेली, दोगिमलै और पना में बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान चला रहा है और प्रभात फेरी निकाल रहा है। प्रत्येक परियोजना ने जन भागीदारी के माध्यम से क्रमशः एक-एक गांव को स्वच्छ करने की जिम्मेदारी ली। एनएमडीसी के कर्मचारियों ने आज एनएमडीसी मुख्यालय में उल्लेखनीय स्वच्छता अभियान के दौरान स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का



प्रदर्शन किया। विभिन्न परियोजनाओं और क्षेत्रीय कार्यालयों के कर्मचारियों ने भी स्वच्छता गतिविधियों में भाग लिया और जिम्मेदार नागरिकों के रूप में योगदान दिया। प्रधानमंत्री के कचरा मुक्त भारत के

दृष्टिकोण के समर्थन में, एनएमडीसी ने अपने प्रधान कार्यालय, हैदराबाद में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत छात्रों के लिए एक पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवा प्रतिभाओं को शामिल करके जन जागरूकता को बढ़ाना था। अपनी मौलिकता और नवाचार के साथ, प्रतिभागियों ने अपनी कलाकृतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा और जुनून का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर श्री सत्येंद्र राय, अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशा) ने कहा, एनएमडीसी को स्वच्छ भारत मिशन का सक्रिय भागीदार होने पर

गर्व है और यह समय-समय पर अपने प्रधान कार्यालय और परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर स्वच्छता और वृक्षारोपण अभियान आयोजित करता है। एक जिम्मेदार खनिक के रूप में, हमें अपने-अपने स्थानों पर स्वच्छता कार्य की जिम्मेवारी लेना चाहिए और हरित और टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करने के लिए पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाया चाहिए। स्वच्छ और हरित राष्ट्र के लिए स्वच्छता की आवश्यकता पर जोर देते हुए, एनएमडीसी ने कार्यस्थल पर विभिन्न सफाई गतिविधियों, कार्यालयों और विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रमों और सार्वजनिक स्थानों जैसे टाउनशिप, बाजारों, बस स्टॉप और अन्य सार्वजनिक स्थानों में स्वच्छता पहल का आयोजन किया।

आचार्य श्री सौरभसागर जी महाराज के सानिध्य में क्षमा वीरस्य मूषणम्

राजस्थान जैन सभा ने 32 दिन के उपवास करने वाली सुषमा जैन सहित 62 त्यागीव्रती तपस्वियों का किया अभिनन्दन

सकल दिगांबर जैन समाज के सामूहिक क्षमापना समारोह में उमड़े श्रद्धालु

जयपुर (विश्व परिवार)। राजस्थान जैन सभा द्वारा सकल दिगांबर जैन समाज का सामूहिक क्षमापना समारोह आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में रामलीला मैदान में आयोजित किया गया। राजस्थान जैन सभा द्वारा आयोजित इस सामूहिक क्षमापन पर्व एवं अभिनन्दन समारोह में षोडसकारण के 32 दिन के उपवास करने वाली अजमेर रोड निवासी श्रीमती सुषमा जैन तथा दशलक्षण महापर्व में दस दिन के उपवास करने वाले 61 त्यागी व्रती तपस्वियों का जयकारों के बीच अभिनन्दन किया गया। इस मौके पर आचार्य श्री सौरभ सागर महाराज ने प्रवचन में कहा कि जैन दर्शन तप, त्याग एवं साधना की पूजा व सम्मान करता है। भारतीय संस्कृति सन्यासियों को पुजारी है। आचरण का सम्मान ही असली सम्मान है। दुश्मन को गले लगाना ही क्षमावाणी है। भीतर के अहंकार तथा मान का क्षय ही क्षमावाणी है। अपनी गलती तथा कमी स्वीकार करने के लिए बहुत बड़ा कलेजा सम्मान ही असली सम्मान है। दुश्मन को गले काहिए। अतः क्षमा वीरों का आभूषण है। कार्यरों का श्रृंगार नहीं है। हम महावीर के वंशज हैं, अतः गलतियों के लिए क्षमा मांग लेते हैं तथा दूसरों को क्षमा कर देते हैं। क्षमा स्वयं से मांगना शुरू करना चाहिए। उन्होंने सभी त्यागी व्रती तपस्वियों को उनकी तपस्या, साधना के लिए आशीर्वाद दिया। सभा



के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं समारोह के मुख्य समन्वयक अशोक जैन नेता ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता दिगांबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष सुधांशु-ऋतु कासलीवाल ने की। दीप प्रज्वलन अशोक-शकुन्तला चांदवाड ने किया। मुख्य अतिथि तुषार सौगानी थे। विशिष्ट अतिथि सुरेश-ललिता सबलावत तथा त्यागी व्रती पुण्याजर्न कर्णवट एवं जिला कलेक्टर जालौर निशान्त जैन गौरवमयी अतिथि थे। इस मौके पर आचार्य श्री को समाजसेवी कुशल टोलिया, राजेश रावकां, रितेश लुहाड़िया, महावीर सोगानी ने जिनवाणी भेंट की। सभा की ओर से सुभाष चन्द जैन, अशोक जैन नेता, महेश काला, मुकेश सोगानी, मनीष बैद, विनोद जैन कोटखावदा, भानू छाबड़ा, राकेश छाबड़ा, कमल बाबू जैन, प्रदीप

जैन, शैलेन्द्र शाह चौकू, यशकमल अजमेरा, अमर दीवान, अशोक पाटनी, सुभाष बज, आर के जैन रेलवे, राजेश पाटनी, अनिल छाबड़ा, सूर्य प्रकाश छाबड़ा, राकेश गोधा, जिनेन्द्र जैन जाँतू, मीना चौधरी, सीमा जैन गाजियाबाद, शकुन्तला पाण्ड्या, दीपिका जैन कोटखावदा, संगीता सोगानी, रचना वैद, साधना छाबड़ा, निशा जैन, ऊषा दीवान, अर्चना पाटनी आदि ने अतिथियों व त्यागी व्रती तपस्वियों का माल्यार्पण एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। अतिथियों ने त्यागी व्रती तपस्वियों को जिनवाणी एवं चांदी की माला भेंट की। राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन ने स्वागत उद्बोधन में सन् 1953 से राजस्थान जैन सभा द्वारा सामूहिक क्षमापना समारोह मनाने तथा सभा द्वारा समाज हित में किए गए कार्यों की जानकारी दी। -विनोद जैन कोटखावदा

संक्षिप्त समाचार

केजरीवाल की गारंटी कार्ड घर तक पहुंचा रही तरुणा

जगदलपुर (विश्व परिवार)। आम आदमी पार्टी द्वारा केजरीवाल की गारंटी कार्ड केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ के सभी विधानसभाओं में घर-घर तक पहुंचाने का कार्य जोरों से किया जा रहा है। जिसके तहत आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मोहल्ले और गांवों में जाकर अरविंद केजरीवाल की गारंटी कार्ड का वितरण करते हुए एक मौका केजरीवाल को देने की अपील कर रहे हैं। प्रदेश प्रवक्ता तरुणा साबे के नेतृत्व में जगदलपुर विधानसभा के संजय बाजरा, चांदनी चौक, मिताली चौक, कोतवाली चौक, शहीद पार्क के व्यापारियों के बीच जाकर जनसमर्थन आम आदमी पार्टी के लिए मांगा गया। पार्टी के प्रति लोगों में काफी उत्साह बना हुआ है। एक मौका आम आदमी पार्टी को देते हुए जगदलपुर में एक बड़े बदलाव की लहर दिख रही है। आप मोडिया सेल ने बताया कि आप नेत्री तरुणा साबे ने लगातार लोगों के बीच पहुंच कर अपनी सक्रियता बनाई हुई है। आप नेत्री तरुणा ने कहा कि लोग कांग्रेस और बीजेपी से त्रस्त हैं। यहां कोई काम पर वोट नहीं मांगता, हम अपने दिल्ली और पंजाब में किये अपने बेहतर कामों को लेकर लोगों से अपील कर रहे हैं कि अच्छे स्कूल बनाने के लिए, अच्छे अस्पताल बनाने के लिए, बेरोजगारों के रोजगार के लिए, बेहतर मूलभूत सुविधाओं के लिए एक मौका केजरीवाल को दीजिये, और लोग इस बार मौका देने का मूड बना भी लिए हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में आगे होने वाला चुनाव का परिणाम ऐतिहासिक होगा।

स्कूटी व ट्रक के पाटर्स चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

कोरबा (विश्व परिवार)। दो दुकान का ताला तोड़ कर लोहे का सामान व दो पहिया वाहन की चोरी अज्ञात चोर ने कर ली। शिकायत के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद किया। कोतवाली के पीछे निवासरत मामन चंद अग्रवाल 61 साल ने पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि टीपी नगर बाइपास रोड में एरन ट्रेडर्स नामक आटो पाटर्स दुकान का संचालन करते हैं। 26-27 सितंबर की रात अज्ञात व्यक्ति ने दुकान का ताला तोड़कर एक पुराने ट्रक का कमाना पट्टा और लोहे का कछुआ पाटर्स को चोरी कर लिया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर पुलिस चौकी सीएसईबी ने धारा 457, 380 के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। इसी तरह संजय प्रधान 38 वर्ष निवासी अमरैईया पारा ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराया कि टीपी नगर बाइपास रोड में केरला होटल के पास बीएल इंजीनियरिंग नामक दुकान का संचालन करते हैं। 26 व 27 सितंबर की रात दुकान का ताला तोड़कर अज्ञात व्यक्ति ने स्कूटी क्रमांक सीजी 12 एएम 1531 को चोरी कर ली। इस मामले में भी पुलिस ने धारा 457, 380 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया। एक ही रात में दो स्थान पर चोरी होने से पुलिस भी चिंतित हो उठी। दोनों मामले की जांच करने के साथ ही मुखबिरों को भी सतर्क किया गया। इस दौरान पुलिस ने सूचना मिलने पर शेख असलम 26 वर्ष निवासी संजय नगर तालाब पारा, आकाश चौहान उर्फ मोटू 19 वर्ष निवासी ग्राम सरगबुदिया, हाल मुकाम शादा विहार अटल आवास क्रमांक 13 चौकी मानिकपुर तथा ओम प्रकाश पटेल उर्फ राजा 22 साल निवासी महावीर चौक 15 ब्लाक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इस पर तीनों युवकों ने चोरी करना स्वीकार किया। उन्होंने स्कूटी व ट्रक में इस्तेमाल होने वाला पुराना कमाना पट्टा एक एवं लोहे का पाटर्स कछुआ को चोरी करना बताया। उनके निशान देही पर स्कूटी व चोरी का सामान बरामद किया गया। वैधानिक कार्रवाई उपरांत न्यायिक रिमांड पर तीनों आरोपितों को न्यायालय पेश कर जिला जेल कोरबा दाखिल कर दिया गया।

विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

महासमुंद (विश्व परिवार)। हर वर्ष की तरह विगत 28 सितंबर को विश्व रेबीज दिवस का आयोजन किया गया। शासन के निर्देशानुसार विश्व रेबीज दिवस के उपलक्ष्य में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला कार्यक्रम प्रबंधक के मागदर्शन में नोडल अधिकारी एन.आर.सी.पी, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट की उपस्थिति में शासकीय जी.एन.एम. प्रशिक्षण केंद्र महासमुंद में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें नर्सिंग छात्राओं को रेबीज बीमारियों से बचाव तथा नियंत्रण की जानकारी प्रदाय की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जानकारी दी कि रेबीज जैसी घातक और संक्रामक बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने और दुनिया भर में रोकथाम एवं नियंत्रण प्रयासों को बढ़ाने के उद्देश्य से सन् 2007 से एवं 28 सितंबर को लुई पाश्चर की पुण्य तिथि पर हर वर्ष विश्व रेबीज डे मनाया जाता है। इतिहास के अनुसार लुई पाश्चर के कार्यों को रेबीज और एंथ्रेक्स के टीकों के डेवलपमेंट के माध्यम से लाखों लोगों की जान बचाने का श्रेय दिया जाता है और उन्हीं को विश्व रेबीज दिवस के जनक के रूप में माना जाता है।

रवेली में राजकीय सम्मान के साथ आरक्षक राजेश का अंतिम संस्कार, पुलिस ने हवाई फायरिंग कर दिया उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर

गरियाबंद (विश्व परिवार)। गरियाबंद के वीर सपूत राजेश ध्रुव का आज उनके गृह ग्राम रवेली में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस ने हवाई फायरिंग कर उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर दिया। ज्ञात हो कि जिले के छुरा विकासखंड के ग्राम रवेली के रहने वाले राजेश ध्रुव, बुधवार को झारखंड में हुए एक आईडी ब्लास्ट में शहीद हो गए थे। झारखंड में सीआरपीएफ के कोबरा बटालियन में आरक्षक के रूप में पदस्थ थे। आज दोपहर ही उनका पार्थिव शरीर गृह ग्राम रवेली पहुंचा। परिजनों और ग्रामीणों के दर्शन के बाद यही से उन्हें अंतिम विदाई दी गई। उनके अंतिम यात्रा में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। राजेश के पिता ने उन्हें मुखान्नी दी।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित जनसैलाब ने नम आँसू से शाहिद जवान राजेश ध्रुव को श्रद्धांजलि अर्पित की कार्यक्रम के दौरान पूरा महोल गमगीन रहा वीर सपूत राजेश की परिजनों और उसकी बिलखती माँ के आशुओं को देख कर उपस्थित जन समूह की आँखें भी भीगी आई इस दौरान लोगो ने राजेश ध्रुव अमर रहे



भारत माता की जय जय हिन्द के गगनचुम्बी नारे भी लगाये इसके पहले गरियाबंद पहुंचे ही शाहिद जवान राजेश ध्रुव को जगह जगह श्रद्धांजलि दी गई राजिम कोपरा पांडुका गरियाबंद के अलावा विकासखंड मुख्यालय छुरा में भी बड़ी संख्या में लोग शाहिद जवान के पार्थिव शरीर के दर्शन और उन्हें श्रद्धांजलि देने एकजुट हुए थे

जानकारी के मुताबिक आज सुबह करीब 9 बजे विशेष विमान से शाहिद राजेश ध्रुव का पार्थिव शरीर रायपुर पहुंचा जहां से एसडीएम भूपेन्द्र साहू डीआईजी सीआरपीएफ एवं जिला पुलिस बल के अगुवाई में शहीद जवान एक पार्थिव शरीर एयरपोर्ट रायपुर से गृह ग्राम रवेली के लिए रवाना हुआ था काफिले में पुलिस और सीआरपीएफ के टीम भी मौजूद रही



पार्थिव शरीर को साजसज्जा के साथ अलग से टुक में रखा गया था जगह जगह लोगो ने टुक पर पुष्पवर्षा भी की इस अवसर पर शहीद जवान राजेश की शहादत को नमन करे ग्राम रवेली सहित जिलेभर के जनप्रतिनिधि गण स्थानीय प्रशासन के आला अप्सर के अलावा बड़ी संख्या में लोग स्वतः ही शहीद जवान को अंतिम गृहग्राम रवेली पहुंचे थे एसपी अमित

तुकाराम कांबले एसडीओपी पुष्पेंद्र नायक अपर कलेक्टर अविनाश भोई एसडीएम भूपेन्द्र साहू भाजपा राजिम प्रत्याशी रोहित साहू और जिला पंचायत उपाध्यक्ष संजय नेताम जनपद अध्यक्ष टोकेश्री मांडवी नगर पंचायत अध्यक्ष खोमन चंद्रकार भरत दीवान पत्रालाल ध्रुव टीकम साहू नगर पंचायत उपाध्यक्ष रिकु सचदेव सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

निर्वाचन कार्य में लगे नोडल अधिकारी-कर्मचारियों को दिया गया प्रशिक्षण

अधिकारी-कर्मचारियों को उनके कार्यों एवं दायित्वों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई



गरियाबंद (विश्व परिवार)। विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के तैयारियों के अंतर्गत आज निर्वाचन कार्य में लगे समस्त नोडल, सहायक नोडल अधिकारी एवं राजस्व अधिकारियों को आदर्श आचार संहिता एवं निर्वाचन संबंधी विभिन्न कार्यवाहियों के कुशलतापूर्वक समय-समाम में संपादित कराने की दृष्टि से निर्वाचन के नियमों एवं प्रावधानों की जानकारी के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आज आयोजित प्रशिक्षण में आदर्श आचार संहिता के अर्थ, उद्देश्य तथा इस दौरान अधिकारी-कर्मचारियों के कार्यों एवं भूमिका के संबंध में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इसके अलावा प्रशिक्षण में विभिन्न निर्गारानो समिति के कार्यों के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आकाश छिकारा, जिला

पंचायत सीईओ श्रीमती रीता यादव, उप जिला निर्वाचन अधिकारी तीर्थराज अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर नवीन भगत, डिप्टी कलेक्टर टी.आर. देवांगन, एसडीएम राजिम धनंजय नेताम, एसडीएम देवभोग, एसडीएम मैनपुर सभी तहसीलदार के अलावा नोडल अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आकाश छिकारा ने आदर्श आचार संहिता के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से निर्वाचन कार्य को संपन्न कराने हेतु सभी अधिकारी-कर्मचारियों को निष्पक्ष एवं

पारदर्शी ढंग से कार्य करते हुए निर्वाचन कार्य का संपादन करने को कहा। कलेक्टर श्री छिकारा ने कहा कि निर्वाचन कार्यों के संपादन करते समय जिले के सभी अधिकारी-कर्मचारी के कार्यों एवं व्यवहार में निष्पक्षता एवं पारदर्शिता परिलक्षित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन हेतु अधिसूचना जारी होने के तत्काल बाद आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो जाता है। इस दौरान अधिकारियों को निर्वाचन के कार्यों एवं दायित्वों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के अंत में अधिकारी-कर्मचारियों का टेस्ट भी लिया गया।

विधानसभा आम निर्वाचन 2023: जिले के प्रिंटर्स को दिया गया प्रशिक्षण

बालोद (विश्व परिवार)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के सफल संपादन हेतु जिले के प्रिंटर्स को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री चंद्रकांत कौशिक, अपर कलेक्टर श्री शशांक पाण्डेय, एसपीएससी की प्रभारी सुशी प्राची ठाकुर सहित जिले के प्रिंटर्स उपस्थित थे। प्रशिक्षण में मास्टर्स ट्रेनर्स श्री दिलीप कुमार साहू और श्री सीडी मानिकपुरी ने उपस्थित प्रिंटर्स को बताया कि निर्वाचन पाम्पलेट, पोस्टर्स आदि का मुद्रण एवं प्रकाशन लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127(क) के उपबंध द्वारा विनियमित किया जाता है। इसके तहत कोई व्यक्ति किसी ऐसे निर्वाचन

पाम्पलेट अथवा पोस्टर्स का मुद्रण अथवा प्रकाशन करेगा जिसमें पोस्टर में प्रकाशक का नाम, मुद्रण प्रति की संख्या, मुद्रण प्रति की राशि स्पष्ट रूप से अंकित हो। कोई भी व्यक्ति निर्वाचन पाम्पलेट अथवा पोस्टर का मुद्रण नहीं करेगा जब तक कि उसके प्रकाशक की पहचान की घोषणा उसके द्वारा हस्ताक्षरित एवं ऐसे दो व्यक्तियों जो प्रकाशक को व्यक्तिगत रूप से जानते हो उनके द्वारा प्रमाणित न हो। जिसे मुद्रक को दो प्रतिओं में भेजा न गया हो एवं युक्तियुक्त समय के भीतर पाम्पलेट अथवा पोस्टर को मुद्रण के पश्चात मुद्रक द्वारा घोषणा की एक प्रति दस्तावेज के साथ भेजा न गया हो। मुद्रण के पश्चात मुद्रित दस्तावेज को दो प्रति के साथ व स्वयं की घोषणा की एक प्रति जिला निर्वाचन अधिकारी को तीन दिनों के अंदर प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

पतरापाली में मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सूरजपुर (विश्व परिवार)। मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत स्कूल में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। राज्य परियोजना समग्र शिक्षा रायपुर एवं जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा शशिकांत सिंह के निर्देशन में तथा बीईओ एवं एबीईओ मनोज साहू के मार्गदर्शन में शासकीय माध्यमिक शाला पतरापाली में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा शपथ लिया गया तत्पश्चात प्रभात रैली, अमृत कलश यात्रा निकालकर ग्रामीणों से एक-एक मुट्ठी माटी एवं चावल एकत्रित की गई। बच्चों ने स्वतंत्रता सेनानियों के नारे लगाए। संकुल समन्वयक जेडी सिंह ने कहा कि इस अभियान में वीर शहीदों को हमें याद

करना है कि जिनके बलिदान के कारण आज हम सुरक्षित हैं। इन वीरों की बदौलत ही हम आज स्वतंत्र भारत में रह रहे हैं। बच्चों को अपने अध्यापकों का भी सम्मान करना चाहिए। योगेश साहू ने सभी बच्चों एवं ग्रामीणों को बताया कि इस कार्यक्रम के तहत भारत के नागरिक पोर्टल में जाकर आप प्रतिज्ञा ले सकते हैं एवं इस पोर्टल पर अपना फोटो जिसमें मिट्टी में काम कर रहे हो, पोथे लगा रहे हो, मिट्टी का दिया पकड़े हुए हो इत्यादि फोटो अपलोड कर सकते हैं। ऐसा करने से मेरी मिट्टी मेरा देश के नाम से आप सभी को एक सर्टिफिकेट प्राप्त होगा। कार्यक्रम में विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें विजयी छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन के लिए काम करने के लिए प्रेरित ही धार्मिक आयोजन का अभिप्राय : रंजना साहू

धार्मिक आस्था से जीवन में संस्कारों का विकास होता है : प्रकाश गोलछा धमतरा (विश्व परिवार)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर नवयुवक गणेश उत्सव समिति शकरवारा के युवा साथियों के द्वारा प्रथम पूज्य श्री गणेश भगवान की प्रतिमा स्थापित कर हवन कार्यक्रम के दिन रात्रि कालीन बेला में जय मां सरस्वती रामधुनी मंडली नगर पंचायत आमदी के कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई, इस पावन कार्यक्रम के अवसर पर क्षेत्र की विधायक रंजना डीपेंद्र साहू कार्यक्रम में शामिल होकर सर्वप्रथम प्रथम पूज्य गणेश भगवान की पूजा अर्चना कर

समस्त क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। विधायक एवं उनके साथ गए सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंट करते हुए तिलक लगाकर स्वागत किए। अतिथि उद्बोधन में विधायक रंजना साहू ने नवयुवकों के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं का धार्मिक कार्यक्रम में योगदान प्रशंसनीय है, निरंतर क्षेत्र में युवा साथियों के द्वारा धार्मिक आयोजन की जा रही है जिससे पूरा क्षेत्र धर्ममय हो गया है। श्रीमती साहू उद्देश्य सभी व्यक्तियों को प्रत्येक व्यक्ति के प्रति सहयोग का संबंध, दया का ????भाव एवं प्रत्येक के प्रति व्यवहार के बारे में ज्ञान देना

है। सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन के लिए काम करने के लिए प्रेरित ही धार्मिक आयोजन का अभिप्राय है। धार्मिक आयोजन का विकास होता है। अतः हमें सदैव अपने जीवन में संस्कारों को याद रखना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से धनंजय सिंह सरपंच तेजवती निषाद, डीपेंद्र साहू, पंकज साहू, जितेश सिंहा, वीरेंद्र साहू, सोहनलाल सिन्हा, धनंश सिन्हा, सुरेंद्र सिन्हा, लोकेश्वर मंडावी, तामेश्वर मरकाम, रोशन, हरीश, वीरेंद्र, जागेश्वर, सूरज, बलदेव, तिलक, अभिमन्यु साहू, लोकेश्वर कोराम, धीरेंद्र मंडावी, सहित बड़ी संख्या में रामधुनी सुनने श्रोतागण उपस्थित रहे।

झुके सर, हर आंख हुई नम, भारत माता के जयकारों के साथ गुंजा तिरंगा चौक, शहीद जवान राजेश ध्रुव की शहादत को किया नमन

गरियाबंद (विश्व परिवार)। झारखंड में आईडी ब्लास्ट में शहीद गरियाबंद जिले के सीआरपीएफ आरक्षक शहीद राजेश ध्रुव का पार्थिव शरीर शनिवार सुबह गरियाबंद पहुंचा। इस अवसर पर नगर के हृदय स्थल तिरंगा चौक में नगरवासियों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने राजेश ध्रुव की शहादत को नमन करते हुए राजेश ध्रुव अमर रहे के नारे लगाए। मालूम कि बुधवार को झारखंड के पश्चिम सिंह भूम जिला में में हुए आईडी बम ब्लास्ट में जिले के छुरा विकासखंड के ग्राम रवेली के रहने वाले सीआरपीएफ जवान राजेश ध्रुव शहीद हो गए। राजेश, कोबरा बटालियन में आरक्षक थे। शनिवार को उनका पार्थिव शरीर गृह ग्राम रवेली लाया गया। इसके पहले पार्थिव शरीर



गरियाबंद पहुंचा। शनिवार को नगर के लोगो को जैसे ही राजेश के पार्थिव शव के आने की सूचना मिली लोग बड़ी में संख्या में स्वतः ही

तिरंगा चौक में एकजुट हो गए। लोगों ने राजेश का शव का पहुंचे ही वाहन में पुष्प वर्षा की। दर्शन किए और भावभीनी श्रद्धांजलि दी। जिला पुलिस प्रशासन के साथ साथ आदिवासी समाज ने भी सहित राजेश ध्रुव को तिरंगा चौक में श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कांग्रेस नेता शैलेंद्र साहू इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष आबिद देबर ने कहा की जिले के लिए यह गर्व की बात है कि देश की सच्ची सेवा करते हुए जवान ने अपने प्राणों की आहुति दे दी। हम सब उनके बलिदान को नमन करते है। भाजपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश सहसंयोजक डॉ आशीष शर्मा ने कहा कि राजेश ने अपने अदम्य साहस और कर्तव्य निष्ठा का परिचय दिया है। भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र सोनटेके ने कहा कि देश शहीद जवान की शहादत को हमेशा याद रखेगा। वार्ड क्रमांक 15 के पार्षद जितेंद्र सिन्हा ने कहा कि गरियाबंद की धरती ने अनेक वीर

सपूतों को जन्म दिया है। देश के लिए बलिदान से भी पीछे नहीं हटते, राजेश उनमें से एक है। चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रकाश चंद्र रोहरा ने कहा की आज गरियाबंद जिले ने अपने वीर सपूत को खोया है, उन्होंने अपने सच्ची देशभक्ति और बलिदान से गरियाबंद का नाम पूरे देश में रोशन किया है। हम सब उनके मृतात्मा के शान्ति प्रार्थना करते हैं। राजेश ध्रुव सदैव अमर रहे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से हरीश भाई ठक्कर, विनय दासवानी, विजय सिन्हा, सागर मयाणी, शिव भोलैपारिया, प्रतीक सिंग, निरंजन प्रधान, दिलीप सिंहा, अहसान मेमन, आरिफ मेमन, मुकेश पाण्डेय, छगन यादव, अमरोज मेमन, क्षितिज गुप्ता, अनीशा तिवारी सहित बड़ी नगरवासी उपस्थित थे।

दैनिक विश्व परिवार

व्यापार समाचार

एआई पर काम करने के लिए एप्पल करेगा ब्रिटेन में नियुक्तियां

लंदन (एजेंसी)। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने यूके में ज्यादा कर्मचारियों को नियुक्त करने की योजना का खुलासा किया। आईफोन निर्माता का लक्ष्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में काम को दोगुना करना है। कुक ने देश की अपनी यात्रा के दौरान समाचार एजेंसी पीएफ को बताया कि एप्पल ब्रिटेन में नियुक्तियां बढ़ाने पर विचार कर रहा है। जब उनसे यूके में एआई और नौकरियों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा हम उस क्षेत्र में नियुक्तियां कर रहे हैं, और इसलिए मुझे (निवेश) वृद्धि की उम्मीद है। कुक ने कहा कि एप्पल प्रोडक्ट्स को कई प्रमुख विशेषताओं के पीछे एआई का हाथ है। रिपोर्ट में उनके हवाले से कहा गया, यह वस्तुतः हमारे प्रोडक्ट्स पर हर जगह है और निश्चित रूप से हम जेनरेटिव एआई पर भी रिसर्च कर रहे हैं, इसलिए हमारे पास बहुत कुछ है। कुक ने कहा, एआई (एप्पल) वाच पर फॉल डिटेक्शन के पीछे है, यह क्रैश डिटेक्शन के पीछे है, यह एफिब (एड्रियल फिब्रिलेशन) डिटेक्शन के पीछे है, यह ईसीजी के पीछे है, यह आईफोन पर प्रेडिक्टिव टाइपिंग है। कल्चरर सेक्रेटरी मिशेल डोनेलन ने कहा कि एप्पल का निर्णय हमारे बढ़ते तकनीकी क्षेत्र में एक और विश्वास मत था। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, शानदार ब्रिटिश टैलेंट में एप्पल का चल रहा निवेश एआई और प्रौद्योगिकी महाशक्ति दोनों के रूप में हमारी वैश्विक साख को उजागर करता है। एप्पल ने यह भी खुलासा किया कि वह अब प्रत्यक्ष रोजगार और अन्य माध्यमों से यूके भर में 550,000 से अधिक नौकरियों का समर्थन करता है, और कैम्ब्रिज में उसका एक नया कार्यालय है, जहां कई सौ कर्मचारी एआई, मशीन लर्निंग और अन्य परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं।

सीजे डार्कल लॉजिस्टिक्स लिमिटेड ने सेबी के समक्ष दाखिल किया ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी)

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्तीय वर्ष 2023 के लिए राजस्व के मामले में फुल ट्रक लोड (एफटीएल) वर्टिकल में बाजार नेतृत्व के साथ भारत में एक विविध लॉजिस्टिक्स कंपनी सीजे डार्कल लॉजिस्टिक्स लिमिटेड (स्रोत: क्रिसिल रिपोर्ट) ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फाइल किया है। कंपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश के माध्यम से इंडिटी शेयरों (अंकित मूल्य 10 रुपए प्रत्येक) के माध्यम से धन जुटाने की योजना बना रही है। इस ऑफर में कुल मिलाकर 340 करोड़ रुपए तक के इंडिटी शेयरों का प्रेश इश्यू और सेलिंग शेयर होल्डर वाले शेयरधारकों द्वारा 5,431,071 इंडिटी शेयर तक की विक्री की पेशकश शामिल है। कंपनी ने प्रेश इश्यू से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया उधारों के पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान/पूर्व भुगतान; ईवी की खरीद के लिए कंपनी की पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं का वित्तपोषण और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए करने का प्रस्ताव रखा है।

आजाद इंजीनियरिंग लिमिटेड ने सेबी के यहाँ डीआरएचपी दाखिल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आजाद इंजीनियरिंग लिमिटेड ने बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) के यहाँ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है। कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में 2400 मिलियन तक के प्रेश इश्यू और 2 अंकित मूल्य वाले कुल 5000 मिलियन के इंडिटी शेयरों का ऑफर फंड सेल शामिल है। विक्री के प्रस्ताव (ऑफर फंड सेल) में राकेश चोपड़ा के 1700 मिलियन तक के इंडिटी शेयर, पीरामल स्ट्रुक्चर्ड क्रेडिट ऑर्पोरिटीज फंड के 2,800 मिलियन तक के इंडिटी शेयर और डीएमआई फंडनेस प्राइवेट लिमिटेड के 500 मिलियन तक के इंडिटी शेयर शामिल हैं। कंपनी ने प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कंपनी के पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण, कंपनी द्वारा लिए गए कुछ उधारों के पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान/पूर्व-भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने का प्रस्ताव किया है।

डी डेवलपमेंट इंजीनियर्स लिमिटेड ने सेबी के यहाँ डीआरएचपी दाखिल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंजीनियरिंग, खरीद और विनिर्माण के माध्यम से तेल और गैस, बिजली (परमाणु सहित), रसायन और अन्य प्रक्रिया उद्योगों जैसे उद्योगों के लिए विशेष प्रक्रिया पाइपिंग समाधान प्रदान करने वाली इंजीनियरिंग कंपनी, डी डेवलपमेंट इंजीनियर्स लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) के यहाँ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया। कंपनी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से इंडिटी शेयरों (अंकित मूल्य ? 10 प्रत्येक) की पेशकश के माध्यम से धन जुटाने की योजना बना रही है। इस ऑफर में कुल मिलाकर ? 325 करोड़ तक के इंडिटी शेयरों का प्रेश इश्यू और विक्रेता शेयरधारकों के 7,900,000 इंडिटी शेयर तक का ऑफर फंड सेल शामिल है। कंपनी नए इश्यू से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग अग्रलिखित कार्यों में करने का प्रस्ताव करती है- कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के वित्तपोषण; कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों, डीईई पाइपिंग सिस्टम्स (थाईलैंड) कंपनी लिमिटेड और डीईई फैब्रिकेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लिए गए सभी या कुछ बकाया उधारों का पूर्व भुगतान या पुनर्भुगतान; और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य। कई औद्योगिक क्षेत्रों से उत्पन्न होने वाली जटिल प्रक्रिया पाइपिंग आवश्यकता को पूरा करने की तकनीकी क्षमता के मामले में, डी डेवलपमेंट इंजीनियर्स लिमिटेड को वर्तमान में दुनिया में अग्रणी प्रक्रिया पाइप समाधान प्रदाताओं में से एक के रूप में स्थान दिया गया है। (स्रोत: डी एंड बी रिपोर्ट) वर्तमान में, कंपनी स्थापित क्षमता के मामले में भारत में प्रोसेस पाइपिंग समाधान में सबसे बड़ी कंपनी है। (स्रोत: डी एंड बी रिपोर्ट)। विक्री के प्रस्ताव में कृष्ण ललित बंसल (विक्रेता शेयरधारक) के 7,900,000 इंडिटी शेयर तक शामिल हैं।

रामकुमार और माइनेनी ने टेनिस पुरुष युगल में रजत जीता

हांगझोउ (एजेंसी)। रामकुमार रामनाथन और साकेत माइनेनी एशियाई खेलों में टेनिस पुरुष युगल स्पर्धा के फाइनल में हार गए और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को फाइनल में चीनी ताइपै के सू यु सियू और जैसन जुंग ने फाइनल में सीधे सेटों में हराया। तीसरी वरीय चीनी ताइपै टीम के दोनों सदस्य सू (182) और जुंग (231) की एकल रैंकिंग बेहतर थी जो उनके खेल में भी नजर आया। उन्होंने दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी को 6-4, 6-4 से हराया। रामकुमार का



एशियाई खेलों में यह पहला रजत पदक है। वह 2014 इंचियोन खेलों में सतनाम सिंह के साथ पुरुष युगल रजत और साजिया मिर्जा के साथ

मिश्रित युगल स्वर्ण जीत चुके हैं। टेनिस में इस बार भारत का यह पहला पदक है। जकार्ता में 2018 में भारत ने तीन पदक जीते थे लेकिन इस बार दो पदक के साथ ही लौटना होगा। रोहन बोपन्ना और रुतुजा भोसले भी मिश्रित युगल सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं जिससे उनका पदक पक्का हो गया है। रामकुमार ने मैच के बाद कहा, यह एशियाई खेलों में मेरा पहला पदक है। मैं भारत के लिये हमेशा से पदक जीतना चाहता था। यह मेरा लक्ष्य था और साकेत के साथ पदक जीतकर मैं बहुत खुश हूँ।

उन्होंने कहा, एशियाई खेल बड़ा टूर्नामेंट है और इसमें पदक जीतना बड़ी बात है। उम्मीद है कि अगली बार और पदक जीत सकेंगे। पुरुष युगल फाइनल में किसी टीम ने पहले तीन गेम में अंक नहीं गंवाये। चौथे गेम में जुंग के डबल फॉल्ट पर टीम ने अंक बनाया। सभी खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए स्कोर 2-2 कर दिया। सू ने फोरहैंड पर शानदार विनर लगाकर 30-0 की बढत बना ली। ब्रेक तक बढत 4-2 की हो गई जब भारतीयों ने कई सहज गलतियां की।

रामकुमार ने डबल फॉल्ट के साथ शुरुआत की लेकिन फिर दो ऐस लगाये। ताइपै टीम ने पहला सेट आसानी से जीता। दूसरे सेट में भी रामकुमार की सर्विस कमजोर रही। तीसरे गेम में स्कोर 15-30 था जब उन्होंने डबल फॉल्ट किया और ताइपै टीम ने दो ब्रेक प्वाइंट बनाये। साकेत ने चौथे गेम में स्कोर 15-15 कर दिया। भारतीय जोड़ी ने अपनी सर्विस बचाई लेकिन जुंग ने बैकहैंड पर वॉली विनर लगाकर बढत बना ली। इसके बाद भारतीय जोड़ी के लिये वापसी का मौका नहीं था।

वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत के रूप में उभर रही है भारत : पेट्रोलियम मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कहा कि जैसे-जैसे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं व्यवस्थित हो रही हैं, भारत अपने कच्चे माल, कम श्रम लागत, बढ़ती विनिर्माण जानकारी और उद्यमशीलता क्षमता के कारण एक वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत के रूप में उभर रहा है। उद्योग चैंबर पीएचडीसीसीआई की वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए, पुरी ने कहा कि हाल के वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव के साथ, भारत पारंपरिक ईंधन अन्वेषण और ऊर्जा बदलाव दोनों को एक साथ आगे बढ़ा रहा है। मंत्री ने कहा कि भारत का लक्ष्य 2025 तक तेल एवं गैस अन्वेषण के



तहत अपने शुद्ध भौगोलिक क्षेत्र को आठ प्रतिशत (2.5 लाख वर्ग किमी) से बढ़ाकर 15 प्रतिशत (पांच लाख वर्ग किमी) करना है। उन्होंने कहा कि भारत पेट्रोलियम उत्पादों का वैश्विक निर्यातक है और वैश्विक स्तर पर चौथी सबसे बड़ी रिफाइनिंग क्षमता रखता है। जैव ईंधन क्रांति में हासिल किए गए महत्वपूर्ण

मूल के पत्थर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इथेनॉल मिश्रण 2013-14 में 1.53 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 11 प्रतिशत हो गया है। भारत की विनिर्माण आकांक्षाओं के बारे में पुरी ने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में वर्तमान में देश को जीडीपी का 17 प्रतिशत और 2.73 करोड़ से अधिक कर्मचारी शामिल हैं। मंत्री ने कहा कि जीएसटी, आईबीसी, परिसंपत्ति मॉडरीकरण, श्रम कानून सुधार, पीएलआई, नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के लिए गति शक्ति मिशन जैसे आर्थिक सुधारों और नीतियों ने कई संरचनात्मक कमियों को दूर किया है।

बीजिंग (एजेंसी) - एशियन गेम्स में भारतीय हॉकी टीम ने आज पाकिस्तान को 10-2 से मात दी। यह पाकिस्तान के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी जीत है। दोनों टीमों के बीच इससे पहले सबसे बड़ा स्कोर 9-2 था, जो भारत ने हो हासिल किया था। भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने सबसे ज्यादा चार गोल दागे वहीं वरुण कुमार ने दो गोल किए। ललित उपाध्याय, सुमित और शमशेर सिंह ने भी एक-एक गोल दागा, पाकिस्तान के लिए एमएस खान और अब्दुल वहीद राणा ने एक-एक गोल दागे। भारत ने पहली बार पाकिस्तान के खिलाफ 10 गोल किए हैं। इससे पहले एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष स्क्वैड टीम ने



शनिवार को खिताबी मुकाबले में पाकिस्तान को 2-1 से हरा कर स्वर्ण पदक अपनी झोली में डाल लिया। हांगझोउ ओलंपिक सेंटर में सौरव घोषाल, महेश मनागांवकर और अभय सिंह को टीम ने रोमांचक मैच में पाकिस्तान को 2-1 से हराकर भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। पाकिस्तान के इकबाल नासिर ने भारत के महेश मनागांवकर को 3-0 (11-8, 11-3, 11-2) से हराकर मुकाबले की शुरुआत की, लेकिन अगले ही मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी सौरव घोषाल ने मोहम्मद आसिम खान को 3-0 (11-5, 11-1, 11-3) से बराबर भारत को बराबरी दिलाई।

अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल '8 अक्टूबर से शुरू टीवी पर मिलेगी 60 प्रतिशत की छूट,

बड़ी खरीदारी पर 7,500 रुपये तक का कैसबैक नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेजन ने घोषणा की है कि 'अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल' (जीआईएफ) 8 अक्टूबर से शुरू होगा, जिसमें प्राइम मेंबर्स के लिए 24 घंटे पहले का अर्ली एक्सेस होगा। किक स्टार्टर डील के जरिए कस्टमर्स को 6 अक्टूबर तक 25,000 से ज्यादा प्रोडक्ट्स तक एक्सेस मिलेगा। अमेजन के भारतीय उपभोक्ता व्यवसाय के उपाध्यक्ष और कंट्री मैनेजर मनीष तिवारी ने एक बयान में कहा, कस्टमर्स को



लीडिंग ब्रांड्स और हजारों नए लॉन्च तक एक्सेस मिलेगा। हमारे डिलीवरी एक्सोसिएट्स सहित हमारी टीमों 'अमेजन ग्रेट इंडिया फेस्टिवल 2023' को पूरे भारत में लाखों 'कस्टमर्स के लिए अब तक का सबसे बड़ा फेस्टिवल

बनाने के लिए उत्साहित हैं। ग्रेट इंडियन फेस्टिवल में 5,699 रुपये से शुरू होने वाले लेटेस्ट स्मार्टफोन, 8,999 रुपये से शुरू होने वाले 5जी मोबाइल, 99 रुपये से शुरू होने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स

एक्सेसरीज, अप्लायंसेज पर 65 प्रतिशत तक की छूट, टीवी पर 60 प्रतिशत तक की छूट, डेली नीड्स आइटम पर 60 प्रतिशत तक की छूट, टॉप मोबाइल, टीवी, अप्लायंसेज, लैपटॉप, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य

मैं दिमाग से चोट का ख्याल भी निकाल देना चाहता हूँ: नीरज चोपड़ा

हांगझोउ (एजेंसी)। लंबे समय से ग्रेड इन की चोट से परेशान ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा एशियाई खेलों में इस चोट के बारे में सोचना भी नहीं चाहते। चोपड़ा ने जकार्ता में 2018 में भालाफेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। इस चोट के बावजूद उन्होंने इस सत्र में अगस्त में बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप जीती और सितंबर में डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने कहा, मैं स्विटजरलैंड में अभ्यास और इत्मीनान से रिहैब के बाद यहां आया हूँ। उम्मीद है कि सौ फीसदी देकर पदक जीत सकूंगा। उन्होंने कहा, चोट तो अभी भी है। पिछले साल भी मसला था लेकिन मुझे बेहतर लग रहा था। मुझे ख्याल रखना होगा क्योंकि पेरिस ओलंपिक की तैयारी भी है। इस तरह की चीजें शीर्ष स्तर पर खेलने वाले एथलीटों के साथ होती रहती हैं। उन्होंने कहा, मैंने विश्व चैंपियनशिप के दौरान भी इसके बारे में सोचने की बजाय अपने श्रो पर फोकस किया। मैं इस समय भी चोट का ख्याल भी दिमाग में नहीं लाना चाहता।



मीशो ने 6 अक्टूबर से अपनी वार्षिक मीशो मेगा ब्लॉकबस्टर सेल शुरू करने कि घोषणा की

रायपुर: मीशो ने 'मीशो मेगा ब्लॉकबस्टर सेल' 6 अक्टूबर से शुरू किए जाने की घोषणा कि। कंपनी अपने बहुमूल्य ग्राहकों को किफायती मूल्य में आसानी से विस्तृत संग्रह और बेहतरीन अनुभव प्रदान करती रहेगी। 30 श्रेणियों में 14 लाख से ज्यादा विक्रेताओं और 12 करोड़ उत्पादों के साथ मीशो यह सुनिश्चित करना चाहता है कि इन त्योहारों पर पूरे भारत में ग्राहकों को डेर सारे किफायती विकल्प मिल सकें। पर्सनल केयर एवं ब्यूटी, होम एवं किचन और इलेक्ट्रॉनिक एक्सेसरीज जैसे श्रेणियों में साल-दर-साल 100ब वृद्धि होने की उम्मीद है। त्योहारों से पहले मीशो ने अपने प्लेटफॉर्म

पर एक इनोवेटिव लॉयल्टी प्रोग्राम पेश किया है, जो ग्राहकों और विक्रेताओं, दोनों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाया गया है। इस लॉयल्टी प्रोग्राम के अन्तर्गत यूजर्स को त्योहारों के पूरे सीज़न में खरीदारी का सुगम अनुभव मिलेगा, और वह मीशो का विस्तृत उत्पाद पोर्टफोलियो बेहतर तरीके से प्राप्त कर पायेंगे इसके अलावा, मीशो ने मीशो गोल्ड भी लॉन्च किया है। जिसमें एथनिक वियर, ज्वेलरी और होम एवं किचन जैसे श्रेणियों में भरोसेमंद और गुणवत्तापूर्ण उत्पादों का विस्तृत संग्रह शामिल है। ये उत्पाद रिव्यू और उपलब्धता आदि के आधार पर संकलित किए गए हैं।

विव्स कफ ड्रॉप्स ने भारत के 142 करोड़ वॉइस चैंपियंस की शक्ति प्रदर्शित की

रायपुर। भारत को खिच-खिच प्री वॉइस देने की अपनी प्रतिबद्धता के लिए मशहूर भरोसेमंद ब्रांड, विक्स कफ ड्रॉप्स ने अपना नया चौरा एंथम #VicksKholIndiaBol पेश करने के लिए महान क्रिकेट चौरा एंथम क्रिकेट के प्रति हमारे देश का असीम उत्साह प्रदर्शित करता है। इसका उद्देश्य इस क्रिकेट सीज़न में 142 करोड़ वॉइस चैंपियंस को अपनी टीम का उत्साह बढ़ाने में समर्थ बनाना है। विक्स कफ ड्रॉप्स अपने प्रतिष्ठित अभियानों के लिए मशहूर है, जो प्रदर्शित करते हैं कि इस ब्रांड ने कैसे हमेशा भारतीयों को अपने जीवन के महत्वपूर्ण लम्हों में बिना किसी खिच-खिच के बोलने में समर्थ बनाया है। इस क्रिकेट सीज़न में विक्स कफ ड्रॉप्स क्रिकेट प्रशंसकों पर केंद्रित होकर एक नया म्यूजिकल टेक पेश कर रहा है, और उन्हें अपनी टीम को प्रोत्साहित करने के लिए खिच-खिच प्री वॉइस प्रदान कर रहा है। श्री साहिल सेठी, कैटेगरी लीडर - पर्सनल हेल्थकेयर, पी एंड जी इंडिया ने कहा, इस क्रिकेट सीज़न विक्स कफ ड्रॉप्स लाखों लोगों को खिच-खिच प्री वॉइस देकर चौरा करने की प्रेरणा देने और पूरे जोश से अपनी टीम का उत्साह बढ़ाने में समर्थ बनाने के लिए युवराज सिंह को प्रोत्साहित करने के लिए खिच-खिच प्री वॉइस प्रदान कर रहा है। श्री साहिल सेठी, कैटेगरी लीडर - पर्सनल हेल्थकेयर, पी एंड जी इंडिया ने कहा, इस क्रिकेट सीज़न विक्स कफ ड्रॉप्स लाखों लोगों को खिच-खिच प्री वॉइस देकर चौरा करने की प्रेरणा देने और पूरे जोश से अपनी टीम का उत्साह बढ़ाने में समर्थ बनाने के लिए युवराज सिंह के साथ गठबंधन में #VicksKholIndiaBol एंथम लॉन्च करके बहुत उत्साहित है। इस एंथम के बोल प्रदर्शित करते हैं कि वॉइसेज में किस प्रकार सबसे जोर से चौरा करने की क्षमता होती है, चौसथ किस प्रकार मैच का रुख बदल सकते हैं।

एयरटेल ने अपने नेटवर्क पर 50 मिलियन ग्राहकों के साथ 5जी विकास का सिलसिला जारी रखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयरटेल 5ब प्लस के लॉन्च के 1 साल के भीतर, भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता में से एक, भारतीय एयरटेल (एयरटेल) ने आज घोषणा की कि उसके नेटवर्क पर 50 मिलियन से अधिक अद्वितीय 5ब ग्राहक हैं। कंपनी ने यह भी घोषणा की कि एयरटेल 5ब प्लस सेवाएं देश के सभी जिलों में उपलब्ध हैं। इसे देश में सबसे तेज़ रोलआउट में से एक बनाते हुए, एयरटेल 5ब प्लस सभी 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में उपलब्ध है। बिहार के सुंदर बलिया से लेकर ओडिशा के ऐतिहासिक कटक तक, झारखंड के सबसे छोटे रामगढ़ जिले से लेकर राजस्थान के वन्यजीव प्रेमियों के लिए बिश्नोई भूमि तक, केरल के शांत सराय से लेकर कश्मीर के दलदली गांवों तक, एयरटेल के ग्राहक अब डिजिटल सुपरहाइवे पर हैं, और तेज गति का आनंद ले रहे हैं। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, भारतीय एयरटेल के सीटीओ, रणदीप सेखों ने कहा, हम अपने लाखों ग्राहकों द्वारा 5ब को अपनाने की गति से रोमांचित हैं और हम योजना से पहले इस मील के पत्थर तक पहुंच रहे हैं। यह एयरटेल के 5ब कवरेज के एक बड़े विस्तार का प्रतीक है जो अक्टूबर 2022 में 1 मिलियन से बढ़कर लॉन्च के केवल 12 महीनों में 50 मिलियन हो गया। विस्तार पूरी गति से जारी है और मुझे यकीन है हम तेजी से बढ़ना जारी रखेंगे क्योंकि हम राष्ट्रव्यापी कवरेज की दिशा में काम कर रहे हैं।

रायपुर (विश्व)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 02 अक्टूबर को पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें नमन किया है। उन्होंने अपने संदेश में कहा है कि शास्त्री जी ने सादगी से जीवन जिया और अपना पूरा जीवन गरीबों की सेवा में अर्पित कर दिया। वास्तव में वे सच्चे गांधीवादी थे। उन्होंने भारतीय स्वाधीनता संग्राम में उनका महत्वपूर्ण योगदान था। उन्होंने वर्ष 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय देश को कुशल नेतृत्व प्रदान किया और 'जय जवान-जय किसान' का नारा देकर जनता का मनोबल बढ़ाया, जिससे सारा देश एकजुट हो गया। श्री बघेल ने कहा कि शास्त्री जी जैसे कर्मयोगी सदा लोगों को प्रेरित करते रहेंगे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में चलाया गया 'एक तारीख एक घंटा एक साथ' व्यापक स्वच्छता अभियान

- स्वयंसेवकों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि के रूप में एक घंटे का श्रमदान किया
- मंडल रेल प्रबंधक, रायपुर के नेतृत्व में रायपुर स्टेशन में आयोजित किया गया स्वच्छता अभियान
- मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार ने स्वयं स्टेशन परिसर को साफ कर स्वच्छता का संदेश दिया

रायपुर (विश्व परिवार)। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत रेल मंत्रालय द्वारा 1 अक्टूबर, 2023 को सुबह 10 बजे एक व्यापक स्वच्छता अभियान चलाई गई। इस अभियान में रेलवे के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वयंसेवकों ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि के रूप में एक घंटे का श्रमदान किया। इस विशाल स्वच्छता अभियान में पूरे देश में भारतीय रेलवे में

लगभग 20, 000 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में आज सुबह 10 बजे 107 स्थानों पर इस अभियान को चलाया गया। बिलासपुर स्टेशन में अपर महाप्रबंधक के नेतृत्व में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें 500 से भी अधिक अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के स्वयंसेवकों के हिस्सा लेकर साफ-सफाई एवं स्वच्छता के लिए श्रमदान किया। इसी कड़ी में रायपुर रेल मंडल में भी स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया गया जिसमें मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार ने स्वयं स्टेशन परिसर को साफ कर स्वच्छता का संदेश दिया इस अवसर पर



मंडल रेल प्रबंधक ने मीडिया से वार्ता के दौरान बताया कि हम सबको स्वच्छता को अपना है, रेलवे स्टेशन, रेल परिसर एवं रेल हमारी पहचान हैं स्वच्छ स्टेशन अपने शहर की पहचान होता है जिन्हें हमें साफ सुथरा रखना है कचरे को डस्टबिन में डालना है कोशिश करें कि कचरा कम से

कम हो कचरे को फेंकने से पहले सोच कि वह कचरा हमारी ही तरह कोई इंसान ही उठाएगा कचरे को सही जगह निस्तारण करें। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री आशीष मिश्रा ने भी श्रमदान कर अपनी सहभागिता दी। रायपुर रेल मंडल में भी स्वच्छता ही सेवा अभियान में ब्रह्मकुमारी शांति सरोवर रायपुर की दीदी एवं सदस्य और संत निरंकारी सेवा संस्थान के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के स्वयंसेवकों के हिस्सा लेकर साफ-सफाई एवं स्वच्छता के लिए श्रमदान किया। यह अभियान रायपुर मंडल के दुर्ग, भिलाई पावर हाउस, भाटापारा, तिल्दा सहित अन्य रेलवे स्टेशनों एवं आर.ओ.एच. डिपो पी पी यार्ड, इलेक्ट्रिक लोको शेड भिलाई एवं मेमू शेड, मंडल चिकित्सालय रायपुर एवं बी.एम. वाई, फिल्टर हाउस डबल्यूआरएस कालोनी रायपुर, डीजल लोको शेड रायपुर, बिल्हा, सिलयारी, दाधापारा, मांडर, भिलाई, इंजीनियरिंग कालोनी रायपुर, डबल्यूआरएस कालोनी रायपुर, आर पी एफ कालोनी रायपुर, लोको कालोनी रायपुर, रेलवे कालोनी आदि के साथ-साथ अन्य जगहों पर इस व्यापक स्वच्छता अभियान को चलाया गया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के विभिन्न स्थानों पर आज चलाये गए व्यापक स्वच्छता अभियान में 50000 से भी अधिक रेलकर्मियों व स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

पंजाब नेशनल बैंक मंडल कार्यालय द्वारा श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। पंजाब नेशनल बैंक, मंडल कार्यालय रायपुर द्वारा 1 अक्टूबर 2023 को श्री मनोज कुमार राय, मंडल प्रमुख, पंजाब नेशनल बैंक मंडल कार्यालय, रायपुर की अध्यक्षता में प्रातः 10.00 बजे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 154 वीं जयंती के उपलक्ष्य में श्रमदान कार्यक्रम जोरा रायपुर में आयोजित किया गया। पंजाब नेशनल बैंक के मंडल प्रमुख, श्री मनोज कुमार राय जी ने बैंक के समस्त स्टाफ सदस्यों एवं आम नागरिकों को सामूहिक रूप से स्वच्छता के लिए 1 घंटे के श्रमदान की अपील की। स्वच्छता ही सेवा अभियान पर अपने विचार रखते हुए उन्होंने कहा, हम सभी समय निकालकर स्वच्छता अभियान का हिस्सा बने एवं इस अभियान में पूर्ण सहयोग करें। अपनी गली, आस-पड़ोस, पार्क, सार्वजनिक स्थान पर इस स्वच्छता अभियान में शामिल हो सकते हैं। धार्मिक स्थानों से लेकर राजमार्गों तक, सार्वजनिक स्थानों से लेकर घरों तक, अब कचरा मुक्त भारत का समय है। हमें इस अभियान में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। आगे उन्होंने कहा कि पंजाब नेशनल बैंक शुरू से बैंकिंग कार्यों



के अलावा अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करती है, उसी क्रम में इस अभियान को सफल बनाने हेतु मंडल कार्यालय के अलावा रायपुर मंडल अंतर्गत समस्त शाखाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गयी है।

समाजसेवी कन्हैयालाल गंगवाल की स्मृति में निशुल्क आर्थो परीक्षण शिविर, 175 मरीज का किया गया परीक्षण



रायपुर (विश्व परिवार)। जैन समाज के वरिष्ठ समाजसेवी कीर्ति शेष श्री कन्हैया लाल जी गंगवाल की स्मृति में गंगवाल परिवार द्वारा शैलवी हॉस्पिटल, भारतीय जैन संगठन चौबे समता कॉलोनी एवं रोस्टरी

कलब रायपुर ग्रेटर के संयुक्त तत्वाधान में निशुल्क आर्थोपेडिक परामर्श एवं निदान शिविर का आयोजन स्थानीय दादावाड़ी में संपन्न हुआ। इस शिविर में रायपुर एवं आसपास के लगभग 175 मरीज का परीक्षण किया गया एवं उचित उपचार की सलाह दी गई। इस अवसर पर अहमदाबाद से पधारे ख्याति प्राप्त डॉक्टर एन एम सोरेन वरिष्ठ आर्थोपेडिक सर्जन, धीरेंद्र माकन वरिष्ठ आर्थोपेडिक सर्जन, अमृत सिंह आर्थो सर्जन द्वारा मरीज का परीक्षण कर उन्हें मार्गदर्शन प्रदान किया गया। शिविर के आयोजन में श्री मनोज लूंकण श्री विजय गंगवाल श्री संजय गंगवाल श्री विमल गंगवाल श्री प्रदीप सांखला श्री राजेंद्र पारीक श्री पुखराज पारीख सहित वरिष्ठ समाजसेवी जनों ने सभी व्यवस्थाओं को मूर्ति रूप प्रदान करते हुए मरीजों की सेवा में सहयोग प्रदान किया।

टैगोर नगर में 10 लक्षण पर्व समापन पर निकाली गई शोभायात्रा



रायपुर (विश्व परिवार)। श्री पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर टैगोर नगर में मूलनायक भगवान श्री पारसनाथ स्वामी की भक्ती के साथ संपन्न हुए 10 लक्षण महापर्व के समापन उपरांत क्षमा वाणी पर्व के अवसर पर कल भगवान की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। भगवान को विमान में विराजमान कर मुकुट धारी इंद्र ने भगवान की पालकी का टैगोर नगर

शैलेंद्र नगर के मुख्य मार्गों पर शोभा यात्रा निकालकर धर्म प्रभाव न की। भगवान के आगे इंद्राणी उत्तम वस्त्रों में भगवान की जयकार लगाते हुए चल रहे थे। बैंड बाजा की मधुर ध्वनि के साथ शोभायात्रा का समाजसेवी जिन्होंने अपने आवास के निकट आरती भक्ति कर पुण्य अर्जित किया। तत्पश्चात शोभायात्रा का तापमान मंदिर की

राइनोप्लास्टी
नाक को सही (रिशोपिंग) करना
कालिदा बर्न एंव
प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आप. के. सी. के. रामने, चौबे कालोनी एवं पंचमंदी
नाकर, प्रमत्तरी रोड, कलकत्ता मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Aby 9827144371

लोन लेने के लिए ITR बनवायें मात्र 500/- में
शेखर गुप्ता ONLYTDS.COM G.S.T रिटर्न Food Licence
ITR GST इकटम TAX फाइल M.S.M.E. रजिस्ट्रेशन
हमारे TAX Expert आपकी TDS रिफंड प्रोजेक्ट रिपोर्ट
मदद हेतु तैयार है। IT नोटिस डिजिटल सिग्नेचर
9300755544, 8878655544

• सत्य • अहिंसा • सर्वधर्म समभाव

नवा रायपुर सेवाग्राम

बापू के सिद्धांतों और शिल्प कला का केंद्र ले रहा आकार

125 एकड़ क्षेत्रफल में फैले इस आश्रम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 'ग्राम-स्वराज' के मूल्यों और आदर्शों को सहेजने के साथ स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्रीय इतिहास की स्मृतियों को जीवंत रखा जाएगा।

गांधी जी का सपना था कि समाज का निर्माण लोकहित, न्याय और मानवता पर आधारित हो। बापू के विचारों को आत्मसात कर हम 'नवा छत्तीसगढ़' का निर्माण कर रहे हैं। आज हर वर्ग के हर व्यक्ति तक हमारी योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। ग्राम स्वराज की दिशा में ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है और हमारे गांव आत्मनिर्भर बने हैं।

2 अक्टूबर
गांधी जयंती
पर सभी प्रदेशवासियों का सादर नमन

भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dpr.Cg.gov.in

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रियल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNLNO.CHHHN /2013/50354